ज्ञानामृत

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।

▶▶ रामायण

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | शहडोल, बुधवार, 18 जून 2025 | वर्ष- 08 | अंक- 174 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट रद्द, दिल्ली-पेरिस, गैटविक-अमृतसर की उड़ान भी बाधित

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद से लंदन जा रही एयर

इंडिया फ्लाइट को अचानक रद्द करना पड़ा। बीते दो दिनों में कई बार ऐसा हुआ है, जब बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान को तकनीकी समस्या की वजह से या तो रद्द करना पड़ा है या फिर विमान की आपात लैंडिंग करानी पड़ी है। हालांकि, अहमदाबाद-लंदन की उड़ान को एयरक्राफ्ट की अनुपलब्धता की वजह से रद्द करना पड़ा है।एअर इंडिया की अहमदाबाद-लंदन फ्लाइट रद्द कर दी गई है। यह वही रूट है, जिस पर ह्व-171 दुर्घटनाग्रस्त हुई थी। इस बीच लंदन से अमृतसर, दिल्ली से पेरिस और पेरिस से दिल्ली की उड़ान को भी रद्द कर दिया गया है। दिल्ली-पेरिस वाली एअर इंडिया की उड़ान को रद्द करने की वजह तकनीकी समस्या बताई गई।

लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार; सेंसेक्स 212 अंक टूटा, निफ्टी 24900 से नीचे आया

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन यानी मंगलवार को

शेयर बाजार मुनाफावसूली के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ। इस्राइल-ईरान संघर्ष के मद्देनजर निवेशकों ने सतर्कता दिखाई। बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर बंद हुए। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक या 0.26 प्रतिशत गिरकर 81,583.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 369.14 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 81,427.01 अंक पर आ गया था। वहीं, एनएसई निफ्टी 93.10 अंक या 0.37 प्रतिशत गिरकर 24,853.40 अंक पर बंद हुआ।

कमजोर वैश्विक मांग के बीच सोने के भाव में 1200 रुपये की गिरावट, चांदी चमकी

नई दिल्ली, एजेंसी। आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की लगातार बिकवाली के बीच मंगलवार को राजधानी दिल्ली में सोने की कीमत 1,200 रुपये गिरकर 1,00,170 रुपये प्रति

10 ग्राम रह गई। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,100 रुपये घटकर 99,450 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने इसकी पुष्टि की है। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाली यह बहुमूल्य धातु 1,01,370 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं, मंगलवार को चांदी की कीमत 100 रुपये बढ़कर 1,07,200 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) हो गई। सोमवार को चांदी की कीमत 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वैश्विक स्तर पर सोना हाजिर गिरावट के साथ 3,380.65 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

एसएससी देगा ओटीआर में संशोधन का मौका, 19 जून को खुलेगी सुधार विंडो

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी चयन आयोग ने

उम्मीदवारों को अपने वन टाइम रजिस्ट्रेशनविवरण को संशोधित करने की अनुमति दी है। पात्र उम्मीदवार 19 जून से 30 जून तक उम्मीदवारों के लॉगिन पोर्टल के माध्यम से अपने ओटीआर विवरण में बदलाव कर सकते हैं। उम्मीदवारों को ओटीआर विवरण संशोधित करने के लिए अपना पंजीकरण नंबर और पासवर्ड दर्ज करना होगा। यह निर्णय उन उम्मीदवारों के कई अनुरोधों के बाद लिया गया है जो अपनी ओटीआर प्रविष्टियों को अपडेट करने में असमर्थ थे, विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी), आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग श्रेणी की स्थिति और शैक्षिक योग्यता से संबंधित। आयोग ने पहले घोषणा की थी कि 2025 परीक्षा चक्र के लिए आधार-सक्षम ओटीआर को 2 जून, 2025 से लागू किया जाएगा।

मंत्रि-परिषद ने म.प्र. लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का किया अनुमोदन

मध्य प्रदेश में 9 साल बाद कर्मचारी-अधिकारियों को मिलेगी पदोन्नति

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा मध्यप्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम, 2025 का अनुमोदन किया गया है। कैबिनेट में हुए निर्णयों की जानकारी देते हुए कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि अनुमोदन अनुसार आरक्षित वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित कर उनके हितों को संरक्षित किया गया है। अनुसूचित जनजाति के

लिये 20 प्रतिशत एवं अनुसूचित जाति के लिये 16 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोकसेवकों को भी मेरिट के आधार पर पदोन्नति प्राप्त करने का अवसर दिया गया है। वर्तमान वर्ष में ही आगामी वर्ष की रिक्तियों के लिए पदोन्नति समिति की बैठक कर चयन सूची बनाये जाने का प्रावधान किया गया है, अर्थात अग्रिम डी.पी.सी. के प्रावधान किये गये है। पदोन्नति के सूत्र में वरिष्ठता का पर्याप्त ध्यान रखा गया है। वरिष्ठ लोक सेवकों में से मेरिट के अनुसार न्यूनतम अंक लाने वाले लोक सेवक पदोन्नति के लिए पात्र होंगे, प्रथम श्रेणी के लोक सेवकों के लिए merit cum seniority का प्रावधान किया गया है। पदोन्नति के सूत्र में कार्यदक्षता को प्रोत्साहित किया जाना लक्षित है, पदोन्नति के लिए अपात्रता का स्पष्ट निर्धारण किया गया है।

पदोन्नति प्रक्रिया में सभी वर्ग के कर्मचारियों-अधिकारियों के हितों का रखा गया ध्यान: मुख्यमंत्री मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मंत्रि-परिषद की बैठक में मंगलवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। इसमें मध्यप्रदेश के सभी शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए पदोन्नति के लंबित मसले को मंजूरी दे दी गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों-अधिकारी के 9 साल से लंबित पदोन्नति के मामले का निराकरण किया है। इसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति सहित सभी वर्गों के शासकीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितों का समुचित ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति होने के बाद शासकीय सेवाओं में 2 लाख पद रिक्त होंगे और तत्पश्चात इन रिक्त पदों पर भर्तियों की संभावना बनेगी।

459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना

मंत्रि-परिषद द्वारा 'सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0" योजना अंतर्गत विशेष जनजाति क्षेत्रों में PM-JANMAN कार्यक्रम के लिए 459 नवीन आंगनवाड़ी केन्द्रों की स्थापना, संचालन तथा भवन निर्माण की स्वीकृति दी गयी। स्वीकृति अनुसार 459 आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के 459 पद (मानसेवी), आंगनवाड़ी सहायिका के 459 पद (मानसेवी) तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के पर्यवेक्षण के लिए पर्यवेक्षक के 26 पद (नियमित शासकीय सेवक पद वेतनमान 25,300-80,500) के सृजन की स्वीकृति दी गई है।

म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की विद्युत पारेषण कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 से 2029-30 के लिए प्रचलित/निर्माणाधीन पूंजीगत योजनाओं और अनुमानित लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रूपये का अनुमोदन दिया गया। निर्णय अनुसार म.प्र. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के लिए योजना लागत राशि 5 हजार 163 करोड़ रुपये का अनुमोदन प्रदान किया गया। योजना के लिए 20 प्रतिशत अंशपूंजी राज्य शासन के द्वारा तथा शेष 80 प्रतिशत ऋण वित्तीय संस्थाओं/बैंकों से प्राप्त किया जाएगा।

पदोन्नति से नव रोजगार सृजन की ओर, सरकार का सर्वजन हितैषी निर्णय: आशीष अग्रवाल

प्रदेश भाजपा मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल ने कहा- कैबिनेट बैठक में भाजपा की डॉ मोहन यादव की सरकार ने एक ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए कर्मचारियों और अधिकारियों की 9 वर्षों से लंबित पदोन्नतियों का निराकरण कर दिया है। यह निर्णय अनुसूचित जाति,

जनजाति सहित सभी वर्गों के कर्मचारियों-अधिकारियों के हितों का ध्यान रखते हुए लिया गया है। इस फैसले से जहां एक ओर शासकीय सेवा में कार्यरत अधिकारियों-कर्मचारियों को न्याय और प्रोत्साहन मिलेगा, वहीं दूसरी ओर पदोन्नति के उपरांत लगभग 2 लाख रिक्त पदों की संभावनाएं बनेंगी। इससे युवाओं और योग्य अभ्यर्थियों को नवीन भर्ती के माध्यम से रोजगार के अवसर मिलेंगे। मीडिया प्रभारी ने आगे कहा- यह कदम प्रदेश में प्रशासनिक कार्यों की दक्षता को बढ़ाने के साथ-साथ रोजगार सृजन और सामाजिक न्याय की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। मोहन यादव की सरकार का यह निर्णय समावेशी विकास और सर्वजन हिताय-सर्वजन सुखाय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इस दूरदर्शी निर्णय के लिए हृदय से साधुवाद!

शिलॉन्ग एसपी बोले-

सोनम ने इशारा किया विशाल ने मार डाला

हमले के वक्त राजा के सामने थी, खून बहा तो दूर चली गई

शिलॉन्ग, एजेंसी

शिलॉन्ग पुलिस मंगलवार सुबह राजा रघुवंशी मर्डर केस के आरोपियों को

लेकर सोहरा पहुंची। सोहरा के वेई सावडोंग फॉल्स पर क्राइम सीन रीक्रिएट किया। पूर्वी खासी हिल्स एसपी विवेक स्येम ने बताया, हमें पता चला है कि राजा को धारदार हथियार से मारा गया था। सोनम ने राजा पर हमला करने का इशारा किया था। इशारा मिलते ही विशाल उर्फ विक्की ने दोनों हाथों से वार कर दिया। राजा के सिर से खून बहने लगा। घटना के वक्त सोनम कहां थी? मीडिया के इस सवाल के जवाब में एसपी ने बताया- घटना के वक्त सोनम सामने थी, राजा उसके पीछे था। विशाल राजा की दाईं तरफ था और आकाश उसके पीछे बायीं तरफ था। आनंद भी राजा की बायीं तरफ था। इसी समय विशाल ने राजा के सिर पर वार किया। राजा को मारा गया और खून निकलने लगा, तो सोनम वहां से दूर चली गई और कहा- फिनिश द जॉब... ये सुनते ही आनंद और आकाश ने वार किए। तीनों आरोपियों ने शव को नीचे फेंक दिया। बता दें कि रीक्रिएशन के समय फोरेंसिक डिपार्टमेंट और एसडीआरएफ की टीमें भी मौजूद रहीं। इधर, शिलॉन्ग पुलिस की एक टीम मंगलवार को इंदौर पहुंची। टीम ने देवास नाका इलाके के फ्लैट में सर्चिंग क। विशाल ने यहीं फ्लैट किराए पर लिया था, जहां सोनम 8 दिन रुकी थी।

वैश्विक मंच पर भारत की उपस्थिति होगी मजबूत

जी-7 सम्मेलन में हिस्सा लेने कनाडा पहुंचे पीएम मोदी, फर्स्ट नेशन्स ने किया स्वागत

नई दिल्ली, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के निमंत्रण पर जी7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंचे। पीएम नरेंद्र मोदी के आगमन पर कार्यवाहक भारतीय उच्चायुक्त चिन्मय नाइक, कनाडाई अधिकारी समेत स्वदेशी लोगों के समूह 'फर्स्ट नेशन्स' के नेताओं ने उनका स्वागत किया। पीएम मोदी कनानास्किस जाएंगे, जहां सोमवार को कड़े सुरक्षा बंदोबस्त के बीच शिखर सम्मेलन की शुरुआत हुई थी। मंगलवार के सत्र में पीएम मोदी समेत अन्य आमंत्रित लोग शामिल होंगे। प्रधानमंत्री मोदी साइप्रस में रुकने के बाद यहां पहुंचे हैं, जहां उन्होंने राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स के साथ 'भारत-साइप्रस संबंधों को लेकर व्यापक बातचीत' की। जी7 शिखर सम्मेलन विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करने और ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर विस्तार से चर्चा करने के लिए एक शानदार मंच प्रदान करेगा।

मुरैना में 19 वर्षीय छात्रा की गोली मारकर हत्या, हमलावरों ने रास्ता रोका, माता-पिता के सामने सिर में तीन गोलियां मारीं

विजय मत, मुरैना

मुरैना में बदमाशों ने 19 साल की छात्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। छात्रा के सिर में तीन गोलियां मारीं। उसकी मौके पर

मलिश्का कडेरा

ही मौत हो गई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। वारदात जौरा के बदरपुरा चौराहे पर सोमवार रात करीब 9.30 बजे हुई। 11वीं में पढ़ने वाली मलिश्का कडेरा माता-पिता के साथ बाइक से घर से जा रही थी। वह बालेरा गांव में रहने वाले मामा के घर से लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में 4 हमलावरों ने रोक लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, मलिश्का ने कहा- मैंने इसे पहचान लिया है। उसके ये कहते ही एक हमलावर ने देसी कट्टे से उस पर फायर कर दिया। मलिश्का के सिर के पीछे और दोनों कानों के पास तीन गोलियां लगीं। इसके बाद आरोपी फरार गए। परिजनों का आरोप है कि सूचना के बावजूद पुलिस देर से मौके पर पहुंची।

इंदौर निगम के अफसर के घर-दफ्तर पर छापा

ईओडब्ल्यू एसपी बोले- आय 15 लाख, खर्च 1.85 करोड़ किए, दफ्तर भी सील

विजय मत, ब्यूरो इंदौर

इंदौर नगर निगम के उद्यान विभाग में सहायक अधीक्षक चेतन पाटिल के घर और दफ्तर पर ईओडब्ल्यू ने छापा मारा है। टीम मंगलवार सुबह यहां पहुंची। पाटिल के खिलाफ भ्रष्टाचार की

शिकायत मिलने पर ये कार्रवाई की जा रही है। एक टीम पाटिल के गुलमोहर कॉलोनी स्थित निवास पर पहुंची और छानबीन शुरू की। दूसरी टीम नगर निगम स्थित उनके कार्यालय पहुंची। यहां वरिष्ठ अधिकारी के पहुंचने के बाद ही छानबीन शुरू की जाएगी। ईओडब्ल्यू एसपी आरएस यादव ने बताया कि पाटिल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का केस दर्ज किया गया है।

पुदुचेरी विश्वविद्यालय में बोले उपराष्ट्रपति

भारत को भाषाओं के नाम पर बंटवारा नहीं चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

पुदुचेरी विश्वविद्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भाषाई एकता और नई शिक्षा नीति की अहमियत पर देशवासियों से भावनात्मक अपील की।

विश्वविद्यालय में बोलते हुए धनखड़ ने किसी का नाम लिए बिना इस बात पर दुख जताया कि भाषाओं का विरोध हो रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा, पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के परिणामस्वरूप भारत दुनिया का स ब से महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। उन्होंने पूछा, हम भाषाओं पर कैसे विभाजित हो सकते हैं? धनखड़ ने कहा कि भारत में 22 भाषाओं में संसद की कार्यवाही संभव है और यह हमारी भाषाई समावेशिता का प्रमाण है।

अहमदाबाद हादसे के बाद डीएनए मैच से 162 शवों की पहचान

120 पार्थिव देह परिजनों को सौंपी गईं

नई दिल्ली, एजेंसी

अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश के बाद शवों की पहचान और उन्हें परिजनों को सौंपने की प्रक्रिया जारी है। दुर्घटना के पांच दिन बाद अब तक डीएनए मिलान करके 270 शवों में से 162 की पहचान कर ली गई है। और 120 शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शवों की पहचान करने के लिए डीएनए परीक्षण का इस्तेमाल किया जा रहा हैं क्योंकि कई शव पूरी तरह से जल चुके हैं। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. राकेश जोशी ने बताया कि ÷मंगलवार सुबह तक 162 डीएनए नमूनों का मिलान हो चुका है और 120 शवों को उनके परिवारों को सौंप दिया गया है। उन्होंने बताया कि जिन 120 मृतकों के पार्थिव शरीर उनके परिजनों को सौंप दिए गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में सभी अमरनाथ यात्रा मार्ग 'उड़ान निषिद्ध क्षेत्र'

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर सरकार ने अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को एक जुलाई से 10 अगस्त तक उड़ान निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया है। यह जानकारी अधिकारियों ने मंगलवार को दी। तीन जुलाई से शुरू होने वाली श्री अमरनाथजी यात्रा में इस वर्ष सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं, जिसमें 38 दिनों की तीर्थयात्रा के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की अब तक की सबसे बड़ी तैनाती भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें 25 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी की मौत हो गयी थी। प्रति वर्ष, हजारों श्रद्धालु हिमालय में स्थित गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए कठिन यात्रा करते हैं। गृह विभाग ने 16 जून को आदेश जारी कर अमरनाथ यात्रा के सभी मार्गों को उड़ान निषिद्ध क्षेत्र घोषित कर दिया है। इस आदेश का उद्देश्य यात्रा को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण बनाना है।

विजय मत एंकर

रिसर्च में हुआ खुलासा, स्मार्ट डिवाइस की माइक्रोफोन से आपकी बातें लीक हो सकती हैं

बिना हैकिंग के चुपचाप आपकी बातें सुन सकते हैं लैपटॉप और स्मार्टफोन!

नई दिल्ली, एजेंसी

यूनिवर्सिटी ऑफ फ्लोरिडा और जापान की यूनिवर्सिटी ऑफ इलेक्ट्रो कम्यूनिकेशन के शोधकर्ताओं ने एक संयुक्त अध्ययन में यह साबित किया है कि स्मार्टफोन और लैपटॉप में लगे माइक्रोफोन आपके आसपास की आवाजें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक सिग्नल के जरिए लीक कर सकते हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इसके लिए किसी तरह का मैलवेयर, हैकिंग या फिजिकल छेड़छाड़ की जरूरत नहीं होती। रिसर्च में बताया गया है कि ये सिग्नल आम स्न्रूरेडियो उपकरणों से भी पकड़े जा सकते हैं। शोधकर्ताओं ने सामान्य लैपटॉप और स्पीकर का इस्तेमाल करके यह प्रयोग किया, जिसमें यह पाया गया कि Spotify या Google Drive जैसे रोजमर्रा के एप्स चलाते समय भी बंद माइक्रोफोन से आवाजें लीक हो सकती हैं।

एआई की मदद से साफ-साफ सुनी जा सकती है बात

शोधकर्ताओं ने 10 इंच मोटी कंक्रीट की दीवार के पार से भी आवाजें रिकॉर्ड करने में सफलता पाई। हालांकि ये आवाजें थोड़ी डिस्टॉर्टेड थीं, लेकिन ओपनएआई जैसे एआई टूल्स ने उन्हें ट्रांसक्राइब कर लिया। इसकी सटीकता 94प्रतिशत तक रही, जो बेहद खतरनाक संकेत है।

करोड़ों डिवाइस पर खतरा

रिसर्च में यह भी चेतावनी दी गई है कि दुनियाभर में इस्तेमाल हो रहे अरबों कंज्यूमर डिवाइस इस खतरे की जद में हैं। यूजर्स को अब यह समझना होगा कि सिर्फ डिवाइस बंद करने से ही सुरक्षा नहीं मिलती, बल्कि तकनीकी रूप से भी सतर्क रहने की जरूरत है।

ईरान का इजराइल के मोसाद हेडक्वार्टर पर हमला

मिलिट्री इंटेलिजेंस की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया इजराइल ने ईरानी सेना के डिप्टी कमांडर को मारा

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल और ईरान के बीच 5वें दिन भी संघर्ष जारी है। ईरान ने मंगलवार को तेल अवीव में इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के हेडक्वार्टर पर हवाई हमला किया। इसके अलावा मिलिट्री इंटेलिजेंस से जुड़ी खुफिया एजेंसी अमन की बिल्डिंग को भी निशाना बनाया है। इजराइली हवाई हमले में ईरान के डिप्टी कमांडर मेजर जनरल अली शादमानी की मौत हो गई है। शादमानी ईरान की खतम-अल-अनबिया हेडक्वार्टर्स यानी सैन्य आपात कमान के हेड थे। उन्होंने 4 दिन पहले ही यह पद संभाला था। उन्हें 13 जून को इजराइली हमले में मारे गए मेजर जनरल गुलाम अली राशिद की जगह यह जिम्मेदारी दी गई थी। राशिद की मौत पिछले शुक्रवार को हुई थी। इजराइली हमलों में अब 224 ईरानी मारे जा चुके है, जबकि 1,481 लोग घायल हुए हैं। वहीं, इजराइल में अब तक 24 लोग मारे गए हैं, जबकि 600 से ज्यादा घायल हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

विहिप की मासिक बैठक लक्ष्मीनारायण मंदिर में हुई

ब्योहारी। विश्वहिंदू परिषद् शहडोल जिले के ब्यौहारी प्रखंड समिति की प्रखंड मासिक बैठक जिलामंत्री अविनाश,जिला उपाध्यक्ष रोशन नागपाल एवं नगर अध्यक्ष राजेंद्र सोनी की उपस्थिति में संपन्न हुआ जिलामंत्री अविनाश ने बैठक में मुख्य रूप से ब्यौहारी प्रखंड विस्तार, सेवा कार्य, बूढ़ा बाबा अमरनाथ शौर्य यात्रा 29 जुलाई, प्रखंड वृक्षारोपण, आगामी अगस्त माह में केंद्रीय पदाधिकारी के प्रखंड दर्शन प्रवास योजना, एवं खंड विस्तार पर चर्चा कर अलग-अलग खंडो के लिए खंड पालक एवं प्रवास योजना तय की गई जिसमें जिला उपाध्यक्ष रोशन भाई को पोड़ी खंड की जिम्मेदारी, ब्यौहारी नगर की जिम्मेदारी जिला सह विशेष संपर्कप्रमुख सत्यनारायण भाई, प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सोनी को मऊ खंड और बुडवा खंड की जिम्मेदारी, जिला सह सामाजिक समरसता प्रमुख कमलेश भाई को और प्रखंड मंत्री मनीष मिश्रा को पपौंध खंड एवं ग्राम रचनाओं को पूर्ण करने की जवाबदारी दी गई। बैठक में विभाग संयोजक जयसिंह तोमर,जिला सह सामाजिक समरसता प्रमुख कमलेश गुप्ता,जिला सहविशेष संपर्क प्रमुख सत्यनारायण गुप्ता, प्रखंड अध्यक्ष राजेंद्र सोनी, प्रखंडमंत्री मनीषमिश्रा, प्रखंड मिलन प्रमुख सुनील कोरी, चंद्रभान सेन,रामसुमन उपाध्याय,सागर गुप्ता, दीपक गुप्ता, रामपाल साहू, प्रेमनामदेव एवं अन्य कार्यकर्ताबंधु उपस्थित रहे विश्वहिंदू परिषद् प्रखंड की बैठक ब्योहारी नगर में आयोजित हुई।

हमें भी मिले 11वीं बेस बोर्ड के आधार पर बढ़ा हुआ पेंशन

धनपुरी। लगभग 5 साल का समय बीत चुका है जब कोल इंडिया के द्वारा 11वां बेज बोर्ड लागू किया गया था और इसके बाद जो कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए उन्हें इसी बेज बोर्ड के आधार पर पेंशन का भुगतान किया जाना चाहिए था लेकिन समय लगातार आगे बढ़ता जा रहा है और सेवानिवृत हो चुके कर्मचारी आज भी इस बात को लेकर इंतजार कर रहे हैं कि उन्हें बड़े हुए बेज बोर्ड के आधार पर पेंशन मिले इसी बात की जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में सेवानिवृत हो चुके कर्मचारी एरिया मुख्यालय पहुंचते हैं लेकिन यहां पर भी उन्हें कोई ठोस जवाब नहीं मिलता और निराश होकर उन्हें लौटना पड़ जाता है। 11वां वेज बोर्ड 1 जुलाई 2021 से लागू हुआ और उसके बाद अगर देखा जाए तो बड़ी संख्या में एरिया के कर्मचारी जो विभिन्न खदानों में पदस्थ थे वह सेवानिवृत हुए और इसी के आधार पर उनका पेंशन उन्हें मिलना चाहिए लेकिन ऐसा देखने को नहीं मिल रहा है और पूर्व के आधार पर पेंशन दिया जा रहा है जिसे लेकर आज सेवानिवृत हो चुके कर्मचारियों ने एरिया महाप्रबंधक को ज्ञापन देकर इस बात को कहा कि उनका भी भुगतान 1 जुलाई 2021 से जो बेज बोर्ड लागू हुआ है उसके आधार पर उन्हें पेंशन दिया जाए इस महाप्रबंधक को ज्ञापन देते हुए शैलेंद्र कुमार शर्मा अब्दुल सत्तार रामशरण मोहन सिंह राठौड़ सुरेश सिंह परमार महबूब खान राजेश नामदेव सहित अन्य लोग भी मौजूद थे।ज्ञापन में इस बात को कहा गया कि बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा मुख्यालय से सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को 11वे बेज बोर्ड के आधार पर पेंशन दिया जा रहा है लेकिन हमें अभी तक उसे आधार पर पेंशन नहीं मिल रही है।

पार्षद पद के उप निर्वाचन के लिए मतदान 7 जुलाई को

शहडोल। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकायों के उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) अंतर्गत 31 मार्च 2025 की स्थिति में रिक्त पार्षद पद के लिए उप निर्वाचन का कार्यक्रम जारी किया गया है, जिसके तहत शहडोल जिले की नगर परिषद खांड के वार्ड क्रमांक 8 में पार्षद पद का उप निर्वाचन भी कराया जाएगा। जारी उप निर्वाचन कार्यक्रम अनुसार 16 जून से निर्वाचन की सूचना के प्रकाशन के साथ रिटर्निंग अधिकारी द्वारा उम्मीदवारों से नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की कार्यवाही शुरू कर दी गई है। नामांकन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 23 जून को दोपहर 3 बजे तक निर्धारित है।

तीन माह का राशन लेने में पसीना-पसीना हुए हितग्राही

शासन की मंशा को लग रहा झटका, जिले में सर्वर समस्याओं, कम आवंटन और भंडारण अभाव ने बढ़ाई मुसीबत

विजय मत, शहडोल

जिले के राशन कार्डधारियों को जून, जुलाई और अगस्त माह का एकमुश्त राशन देने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि उपभोक्ताओं को बार-बार राशन दुकानों के चक्कर न लगाने पड़ें। परंतु इस योजना का क्रियान्वयन फिलहाल धरातल पर मुश्किलों से घिरा नजर आ रहा है। कहीं सर्वर की समस्या, तो कहीं कम आवंटन एवं भंडारण की सीमाएं हितग्राहियों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं।

राशन के लिए लंबी कतारें, थंब और सर्वर बनी समस्या

कई राशन दुकानों में हितग्राहियों से उनके राशन कार्ड लेकर रख लिए गए हैं और उन्हें बताया गया है कि जब थंब आएगा, तभी राशन मिलेगा। तीन माह का राशन लेने के लिए तीन बार थंब लगाना पड़ता है, लेकिन सर्वर की अनियमित उपलब्धता इस प्रक्रिया को कठिन बना रही है। एक बार थंब लगने के बाद अगली बार सर्वर डाउन हो जाता है, जिससे हितग्राहियों को बार-बार दुकान के चक्कर काटने पड़ रहे हैं।

भंडारण की कमी बनी बड़ी बाधा

सूत्रों के अनुसार, जिले की कई राशन दुकानें छोटे-छोटे कमरों में संचालित हो रही हैं, जिनमें तीन माह का राशन एक साथ संग्रहित करना संभव नहीं है। इससे वितरण प्रक्रिया में विलंब हो रहा है। पहले आओ पहले पाओ की तर्ज पर वितरण किया जा रहा है, जिससे कई हितग्राही राशन से वंचित हो रहे हैं।

ई-केवायसी नहीं तो राशन नहीं

शहडोल जिले में वर्तमान में 2,26,170 परिवारों के कुल 8,32,374 सदस्यों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। अब तक 7,41,974 हितग्राहियों की ई-केवायसी पूरी की जा चुकी है, लेकिन अभी भी 90,400 हितग्राहियों की ई-केवायसी शेष है। शासन के निर्देशानुसार 31 जून तक सभी सदस्यों की ई-केवायसी अनिवार्य है। इसके लिए उचित मूल्य दुकानों के विक्रेता घर-घर जाकर केवायसी कराने का कार्य कर रहे हैं।

इनका कहना है

तीन बार थंब लगवाने की प्रक्रिया बहुत झंझट वाली है। बूढ़े माता-पिता की अंगुली ठीक से लगती नहीं, ऊपर से मशीन भी ठीक से काम नहीं करती। दुकान वाले कहते हैं, कल आना, पर कब तक आएं
सुनीता बाई, वार्ड नं. 11, शहडोल
हमारे परिवार की ई-केवायसी नहीं हो पाई है, दुकानदार कहता है बिना ई-केवायसी के राशन नहीं मिलेगा। हम पढ़े-लिखे नहीं हैं, न मोबाइल है, न कोई बताने वाला।
सीता कोल, पटेल नगर शहडोल,
सरकार ने तो तीन महीने का राशन देने की बात कही है, लेकिन यहां रोज लाइन लगाओ और खाली हाथ वापस जाओ। कभी सर्वर नहीं चलता, कभी कहते हैं थंब नहीं आया। हम गरीब लोग दिनभर मजदूरी छोड़कर आते हैं, लेकिन राशन नहीं मिलता-
रामस्वरूप वर्मा, बस स्टैंड शहडोल

भू माफिया की मंशा पर फिरा पानी, नवागत तहसीलदार ने जारी किया स्थगन आदेश

प्रशासनिक मिलीभगत से भूमाफिया तालाब को पाटकर कर रहा था अवैध कालोनी निर्माण

विजय मत, ब्योहारी

नगरिया मंदिर के पीछे तालाब की मेढ़ में सड़क के निर्माण को लेकर न्यायालय तहसीलदार ने जारी किया स्थगन जारी कर दिया है। आवेदक विद्याधर पांडेय पिता सरयू प्रसाद निवासी ब्योहारी के आवेदन पर राजू सोनी निवासी रीवा, राजू द्विवेदी निवासी ग्राम खारी, तहसील ब्योहारी,पिंटू उर्फ ओमप्रकाश सोनी पिता रामखेलावन निवासी बार्ड क्र-09 ब्योहारी, जयपाल सिंह, अवधेश द्विवेदी पिता केदार प्रसाद निवासी बार्ड क्र-11 ब्योहारी,के विरुद्ध भू राजस्व संहिता की धारा250/32मध्यप्रदेश1959,के तहत स्थगन आदेश दिनांक - - 16/06/2025 को आवेदक विद्याधर पांडेय पिता सरयू प्रसाद निवासी ब्योहारी द्वारा इस न्यायालय में संहिता की धारा 250,व 250/3के तहत आवेदन पत्र मय शपथपत्र के साथ प्रस्तुत किया है।अनावेदकगण

राजूसोनी निवासी रीवा द्वारा ग्राम व्योहारी के पटवारी हल्का ब्योहारी राजस्व निरीक्षक मंडल ब्योहारी स्थित आराजी खसरा नं.1456, रकवा 0.235हे.1455, रकवा 0.198हे.में सड़क निर्माण कार्य कर अतिक्रमण किया जा रहा है।जिसे लाल स्याही से रेखांकित किया गया है।मुझ आवेदक के द्वारा मना करने पर अनावेदक गण नही मानते हैं और विवाद लड़ाई झगड़ा करने पर आमादा होते हैं। उक्त बाद भूमि की सकल सूरत बिगड़ जाएगी और मुझ आवेदक को अपूर्णीय क्षति होगी। अनावेदक के द्वारा किए जा रहे सड़क निर्माण कार्य कर अतिक्रमण किया जाता जिस पर रोंक लगाये जाने वाबत स्थगन आदेश जारी हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र मय सपथपत्र के तथा सहपत्रों के अवलोकन किया एवं आवेदक अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया तर्क से संतुष्ट होकर आगामी आदेश तक के लिए इस आशय का स्थगन आदेश जारी किया जाता है।कि अनावेदकगणों द्वारा उक्त आवेदित आराजी में किये जा रहे सड़क निर्माण कार्य पर रोंक लगाये जाने का आदेश दिया जाता है।कि अनावेदकगण उक्त आराजी पर सड़क निर्माण का कार्य न करें न किसी अन्य के माध्यम से सड़क का निर्माण कार्य करायें तथा पूर्व की भांति यथास्थित बनाये रखें एवं नियत पेशी दिनांक-26/06/2025 को न्यायालय में उपस्थित होकर मय दस्तावेज सहित अपना जवाब पेश करें। इस आशय को लेकर तहसील न्यायालय से स्थगन आदेश जारी किया गया।

नगरीय क्षेत्र के न्यूबरौधा में शासकीय भूमि में बने नाले पर अवैध कब्जा

विजय मत, ब्योहारी

नगरीय क्षेत्र के बार्ड क्र-09 न्यू बरौधा में शासकीय भूमि पर बने नाले को पाटकर किया जा रहा अबैध कब्जा, यहां का जिम्मेदार अमला मौन !

नगरीय क्षेत्र के न्यू बरौधा में नाले के ऊपर पिलर गाडकर बड़े क्षेत्र में अवैध कब्जा किया जा रहा है। एक बड़े भूभाग में हो रहा है अबैध कब्जा। जिम्मेदारों ने मूंदी आंख। सीधी जिले के शिवपुरवा गांव का राजाबाबू बहेलिया यहां सरकारी भूमि पर बने नाले में अबैध निर्माण कर कब्जा कर रहा है।लोगों ने बताया कि सुबह नगर परिषद का एक स्थानीय कर्मी मौके में पहुंचकर काम को रोंकने की बात कही लेकिन फिर कुछ देर बाद काम शुरू हो गया जिससे लोग नगरपरिषद के उस स्थानीय कर्मचारी की मंशा पर संदेह जाहिर कर सांठगांठ का आरोप लगा रहे हैं। अतिक्रमणकारी को कुछ दूर ले जाकर उससे खर्चा पानी लेकर उसे मनमानी करने की पूरी छूट दे दी है। और यहां कोई कुछ देखने सुनने बाला नहीं। राजस्व अमला तो पूरी तरह कुम्भकरणी नींद में सोया हुआ है।

हल्कापटवारी बिजेंद्र मौर्य कथन- अभी मैं मिटिंग में हूं।आप मौके की वीडियो भेजें मैं मौके पर जा कर देखता हूं।

केंद्रीय चिकित्सालय में मरीज को दिए जा रहे भोजन पर उठ रहे सवाल

पतली दाल तो सब्जी में स्वाद नहीं लेकिन सवाल एक ही जांच करे तो कौन ?

विजय मत, धनपुरी

अभी तक तो केंद्रीय चिकित्सालय में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर ही सिर्फ सवाल उठ रहे थे लेकिन अब एक और मामला इन दिनों पूरे चिकित्सालय में सबसे अधिक चर्चा में देखा जा रहा है यह बात है यहां पर मरीजों को दिए जाने वाले खाने पर जो की जो गुणवत्ता के आधार पर वितरण किया जाना चाहिए उसमें जमकर अनदेखी की जा रही है लेकिन सवाल एक ही उठ रहा है कि आखिर जांच करें तो कौन?

आज अगर केंद्रीय चिकित्सालय में देखा जाए तो जो मरीज भर्ती होते हैं उन्हें तीनों समय का नाश्ता और भोजन अस्पताल प्रबंधन के द्वारा दिया जाता है लेकिन यहां पर भी अगर देखा जाए तो भोजन की गुणवत्ता अच्छी हो इसे लेकर खाद्य सामग्री में टेंडर जारी करते समय प्रबंधन के द्वारा विशेष ध्यान दिया जाता है लेकिन अस्पताल में जब यही भोजन बनता है तो उसमें किस तरह से गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है उसे भी देखा जा सकता है विगत दिनों प्रतिनिधि ने जब अस्पताल की किचन में मरीजों के लिए बंद रहे भोजन की गुणवत्ता को देखे देखा तो दाल जो की पतली थी सब्जी जिस गुणवत्ता के साथ मरीजों के लिए बननी चाहिए उसे पर भी अनदेखी साफ नजर आ रही थी इतना ही नहीं जो भोजन कभी इस चिकित्सालय में सुबह 11ः30 के करीब वितरण हो जाता था उस पर भी समय 1ः00 बजे का था और इसी बात से अंदाजा लगाया जा सकता है किस केंद्रित चिकित्सालय में इन दिनों मनमर्जी का क्या आलम है सवाल इस बात का उठना है कि मरीज को जो भोजन दिया जाता है प्रबंधन उसे पर लाखों रुपए खर्च कर रहा है ताकि यहां पर जो मरीज भर्ती होते हैं उन्हें अच्छा भोजन उपलब्ध हो सके लेकिन मामला यहां पर तो पूरी तरह से मनमर्जी का ही देखा जा रहा है यही कारण है कि अब इसे लेकर जांच की मांग उठने लगी है।

मरीजो को जो यहां पर भोजन दिया जा रहा है जिस तरह से उसमें गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है यह मामला एरिया महाप्रबंधक संचालन के पास भी पहुंच चुका है उन्होंने भी इस बात को कहा है कि मरीज को अच्छा भोजन मिले यह सबसे बड़ी प्राथमिकता रहती है इसकी जांच की जाएगी अगर कोई शिकायत मिली तो उसे पर कार्यवाही भी होगी।

सहकार भारती की दो दिवसीय बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

विजय मत, शहडोल

सहकार भारती मध्य प्रदेश की दो दिवसीय बैठक अग्रसेन मंडपपअहिंसा चौक विजयनगर में संपन्न हुई बैठक में राष्ट्रीय संगठन मंत्री संजय पांचपोर भाई साहब ,राष्ट्रीय मंत्री एवं मध्य क्षेत्र प्रमुख दिलीप दादा पाटिल ,प्रदेश संगठन मंत्री राधेश्याम जलछत्री ,प्रदेश महामंत्री राकेश चौहान जी सहकार भारती क्रेडिट प्रकोष्ठ प्रदेश प्रमुख डॉ गोपाल प्रसाद निगम, श्री अभिमन सिंह जोधावतजी, मालवा प्रांत के प्रचार प्रमुख धर्मेन्द्र दांगी ज़ी,प्रमुख वक्ता के रूप में आमंत्रित रहे साथ ही राष्ट्रीय संगठन मंत्री ने अपने उद्बोधन में सबको कहा कि मध्य प्रदेश के हर जिले में संचालित सहकारी समितियां को संख्या प्रत्येक जिले प्रमुख पदाधिकारी एवं पूरी कार्यकारिणी को स्पष्ट होनी चाहिए जानकारी की अभाव में जरूरत पड़ने पर सूचना के अधिकार के माध्यम से जानकारी लिया जाना सुनिश्चित करें बैठक में मंचासीन अधिकारियों ने बताया कि देश की राजधानी दिल्ली में सहकार भारती का केंद्रीय कार्यालय का निर्माण शुरू हो गया है उन्होंने यह भी बताया की मध्य प्रदेश में अभी 12 प्रकोष्ठों में नियुक्त की जा चुकी है शेष अन्य प्रकोष्ठों में अतिशीघ्र गठन किया जाएगा दिनांक 25 एवं 26 जून को परासिया में आयोजित दो दिवसीय सहकार भारती के संभाग स्त्री अभ्यास वर्ग में अपेक्षित पदाधिकारी को आमंत्रित किया गया है जिसमें अपेक्षित सभी पदाधिकारी गण अनिवार्य रूप से अभ्यास वर्ग में उपस्थित होवे आगे सहकार भारती दूरदर्शिता दृष्टि और लक्ष्य के बारे में चर्चा करते हुए क्रेडिट प्रकोष्ठ प्रदेश प्रमुख डॉ गोपाल निगम ने बताया कि 2025 वर्ष को अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के रूप में मनाया जावेगा जिसमें संपूर्ण भारतवर्ष में विविध विविध स्तरों पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जावेगा बिना संस्कार नहीं सहकार इस घोष वाक्य के साथ सहकारिता के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाला सहकार भारती एकमात्र संगठन है जिसकी स्थापना 1979 में स्थापित सरकार भारतीय आज की तारीख में संपूर्ण भारतवर्ष में 27 प्रदेशों तथा 600 से अधिक जिला केदो में कार्यरत है सहकारिता हमारे देश की सांस्कृतिक धरोहर है सर्वे भवंतु सुखना सर्व संत निरामया यह सदियों पुराना मंत्र का क्रियान्वयन करने का समर्थ केवल सहकारिता आंदोलन में ही है अपने देश के गरीब निर्धन दुर्बल वंचित असंगठित दल आईटी शोषण तथा निम्न आर्थिक स्तर के नागरिकों को स्थाई आर्थिक विकास करने का सहकारिता एकमात्र साधन हो सकता है।

बैठक भाजपा मंडल धनपुरी ने गिनाई नरेंद्र मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धिया

केंद्र के 11 वर्ष के कार्यकाल में देश की तस्वीर बदली :हेमंत सोनी

विजय मत, धनपुरी

भारतीय जनता पार्टी मंडल धनपुरी द्वार अयोजित बैठक जिसे %संकल्प से सिद्धि% शिरशक दिया गया सम्पन्न हुई.भारतीय जनता पार्टी राष्ट्रीय नेत्रत्व के आह्वान पर,प्रदेश अध्यक्ष के आदेश अनुसर,जिला अध्यक्ष श्रीमती अमिता चपरा के मार्गदर्शन एव मंडल अध्यक्ष हेमन्त सोनी के नेतृत्व में बैठक अयोजित की गई जिसमें देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेंद्र भाई मोदी जी के कार्यकाल के 11 वर्ष पूरे होने पर उनके द्वारा अर्जित की गई उपलब्धियो को जन-जन तक पहुंचाने के लिए,उनके द्वारा जन कल्याण के लिए गए कार्यों को बताने के लिए भारतीय जनता पार्टी के समस्त जेष्ठ, श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं ने शपथ ली बैठक में मुख्य रूप से जिले से आये हुए कार्यक्रम , प्रभारी जिला महामन्त्री दीपक शर्मा जिला उपाध्यक्ष राकेश तिवारी ,पूर्व मंडल अध्यक्ष

शशिकांत उपाध्याय ,मंडल महामंत्री अनिल जयसवाल ,मंडल उपाध्याय अजय शर्मा ,अरुण जयसवाल , रवि सोनी ,पार्षद सभापति आनंद कचेर ,भोलापानिका , पूजा कोल , नारायण जयासवाल ,विजय यादव ,जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सरिता शर्मा ,वरिष्ठ भाजपा नेता दीपक राय , जिवेश मिश्रा , राजवीर द्विवेदी ,धर्मेंद्र केवलानी ,काशी प्रसाद जयसवाल ,प्रदीप पाल , राजकुमार सोनी , देवेन्द्र दहिया , अभिषेक अब्राहम , विक्की सिंह , मुकेश कैथवास , राजकुमार कोल , श्रीमती लक्ष्मी इमालिया , निक्की चौहान एवम अन्य कार्यकर्ता स्थापित रहे,मंच का सफल संचालन अनिल जयसवाल ने किया।

भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष हेमंत सोनी ने केंद्र की मोदी सरकार की 11 वर्ष के कार्यकाल पर अपनी बात रखते हुए कहा कि आज अगर पूरे देश में देखा जाए तो इन 11 वर्षों में तस्वीर बदलने का काम हुआ है आज पूरी दुनिया में भारत एक मजबूत अर्थव्यवस्था के साथ आगे बढ़ रहा है देश के अंदर विकास के काम देखे जा रहे हैं और यही कारण है कि जनता में एक विश्वास मोदी सरकार पर देखा जा रहा है पूरे देश के अंदर लोगों को पक्का मकान देने का काम केंद्र की मोदी सरकार के द्वारा किया गया करोड़ों लोगों को आज पक्का मकान मिला।

उन्होंने कहा कि आज केंद्र में एक मजबूत सरकार बैठी है जिसके नेतृत्व में यह देश तेजी से विकास के साथ आगे बढ़ रही है जो पूरे देश के अंदर जनता में भी एक विश्वास के रूप में देखी जा रही है।

स्वच्छता पखवाड़ा तभी सफल होगा जब हम खुद भी जागरूक हो और लोगों को भी करें : मनीष श्रीवास्तव

धनपुरी। स्वच्छता ही सेवा अभियान 2025; के अंतर्गत एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र में भी दिनांक 16 जून 2025 से 30 जून 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया जा रहा है। महाप्रबंधक कार्यालय सोहागपुर क्षेत्र में शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्रीय महाप्रबंधक श्री मनीष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई। उनके द्वारा अपने उद्बोधन में इस अवसर पर उपस्थित सभी से अपने घर आसपास गली मोहल्ले एवं कार्यस्थल को स्वच्छ रखने हेतु अपील की गई एवं अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को आत्मसात करने हेतु अनुरोध किया गया उनके द्वारा स्पष्ट किया गया कि आसपास का वातावरण यदि स्वच्छ रहेगा तो हमारा तन एवं मन भी स्वच्छ रहेगा जिसके हमारी कार्यशैली भी स्वच्छ एवं पारदर्शी होगी साथ ही साथ हमारी कार्यक्षमता में भी वृद्धि होगी। सोहागपुर क्षेत्र के प्रभारी महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधक संचालन श्री मनीष श्रीवास्तव ने अपने उद्बोधन में कहा कि विगत कई वर्षों से स्वच्छता के लिए बहुत काम किए गए हैं, और देश के प्रधानमंत्री का यह संकल्प है कि किसी भी राष्ट्र की पवित्रता और सुंदरता उसके आसपास के वातावरण के साफ सुथरा होने से गिनी जाती है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि विगत वर्षों में हमने देखा है कि, लगातार साफ-सफाई के लिए व्यापक अभियान चलाया गया है और इसमें सभी लोगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। कारपोरेट जगत में सभी लोगों को जवाब देही दी गई है।

न्यूज इन शॉर्ट

आयुष्मान निरामयम 2.0 अभियान आपके द्वार के तहत ग्राम पंचायत पाली में शिविर संपन्न

उमरिया। आयुष्मान जिला नोडल अधिकारी डॉ एस बी चौधरी ने बताया कि आयुष्मान निरामयम 2.0 अभियान आपके द्वार के तहत ग्राम पंचायत पाली ब्लॉक करकेली जिला उमरिया मे शिविर आयोजित किया गया जिसमे ए एन एम, सी एच ओ, आशा और आशा पर्यवेक्षक द्वारा घर घर जाकर शेष 6 पात्र हितग्राही के आयुष्मान कार्ड बनाया गया । उन्होने बताया कि 16 हितग्राहियो के आधार कार्ड अपडेट ना होने तथा 42 हितग्राहियो के आधार कार्ड बने न होने के कारण आयुष्मान कार्ड नहीं बनया जा सका।

रसोईया के पद पर रखे जाने की मांग

उमरिया। ग्राम भुंडी निवासी अंजू बाई ने कलेक्टर सभागार में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वे मिडिल स्कूल भुंडी में गंगी बाई रसोइया के पद पर पदस्थ थी, परंतु आज एक वर्ष से विद्यालय में मध्यान्ह भोजन बनाने का कार्य नही किया जा रहा है। वह पद रिक्त पडा हुआ है। पति का स्वर्ग वास हो गया है। प्रार्थियां के दो छोटे छोटे बच्चे है। जिनके पालन पोषण की जिम्मेदारी आवेदिका पर है। उन्होने मांग की है कि रिक्त पडे रसोइया के पद पर रखा जाए।

आपरेटर की गलती से पीएम आवास ग्रामीण का पैसा नगरीय निकाय पाली में हुआ हस्तारित

उमरिया। ग्राम धनवाही की ओमवती बाई ने जनसुनवाई में शिकायत करते हुए बताया कि आवेदिका ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लेने के लिए आनलाइन आवेदन किया था। आवेदिका ग्रामीण क्षेत्र की है। किंतु आपरेटर की गलती से आनलाइन प्रकरण करते समय भूल की गई जिससे आवेदिका का नाम ग्रामीण यानी ग्राम पंचायत मे न दर्ज कर नगर पालिका के रिकार्ड में दर्ज कर दिया गया । आवेदिका को मोबाइल के माध्यम से सूचना दी गई कि आवास योजना की राशि नगर पालिका परिषद बिरसिंहपुर पाली में भेज दी गई है। आवेदिका उक्त राशि को ग्राम पंचायत धनवाही जनपद पंचायत करकेली मे स्थानांतरित करवाना चाहती है। उन्होने मांग की है कि उक्त राशि आवेदिका के खाते में हस्तांरित करवाई जाएं ।

एक्सीडेंट करने पर मामला कायम

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत एन एच 43 हाईवे रोड में पाली में वाहन चालक व्दारा वाहन को तेजगति मे चलाते हुए एक्सीडेंट कर दिया गया। जानकारी अनुसार इस मामले में पुलिस ने मोटर सायकल क्रमांक एमपी 18 एम टी 0107 के चालक पर मामला कायम कर लिया है।

दहेज की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित करने पर मामला कायम

उमरिया। कोतवाली थाना अंतर्गत झिरिया मोहल्ला निवासी महिला व्दारा पीडिता के साथ दहेज की मांग को लेकर मारपीट करने, शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताडित करने की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ्मामला कायम कर लिया है। जानकारी अनुसार अंबिका सिह पिता हीरा सिंह रघुवंशी उम्र 25 साल निवासी ग्राम खितौली थाना बरही जिला कटनी हाल मुकाम झिरिया मोहल्ला की शिकायत पर हरिकौश प्रताप सिह , पार्वती सिंह पति गजेन्द्र बहादुर सिंह दोनो निवासी झिरिया मोहल्ला पर मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

वरिष्ठ पत्रकार केपी श्रीवास्तव का निधन, शोक

सीधी ।जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं साप्ताहिक समाचार पत्र सीधी संदेश के संपादक केपी श्रीवास्तव का आज सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल रीवा में उपचार के दौरान निधन हो गया है। श्री श्रीवास्तव विगत कुछ माह से बीमार चल रहे थे। श्री श्रीवास्तव राज्य स्तरीय अधिमान्य पत्रकार थे। हंसमुख स्वभाव के केपी श्रीवास्तव समकालीन वरिष्ठ संपादकों के क्रम में आखिरी धरोहर थे। उनके निधन से पत्रकारिता जगत में आपूर्तनीय क्षति हुई है ।उनके निधन की खबर लगते ही शोक की लहर दौड़ गई। पत्रकारों ने ईश्वर से प्रार्थना की है कि उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे और शोक संतप्त परिवारजनों को इस कठिन समय में संबल प्रदान करे। शोक संवेदना व्यक्त करने वाले पत्रकारों में आरबी सिंह, सचिन्द्र मिश्रा ,अखिलेश पाण्डेय, आदित्य सिंह, मनोज पाण्डेय, हरीश मिश्रा, अमित सिंह, कृपा शंकर तिवारी, रजनीश वेदांती,जगन्नाथ द्विवेदी, नीलाम्बुज पाण्डेय, मुकेश चतुर्वेदी, उपेन्द्र सिंह सोलंकी, शिवपूजन मिश्रा, शरद गौतम, हरीश द्विवेदी, अजय मिश्रा,बृजेश पाण्डेय, विद्यारण्य शुक्ला, रजनीश तिवारी, आदर्श गौतम, वीरेन्द्र तिवारी, जितेन्द्र सिंह, सुभाष तिवारी, अभिमन्यु पाण्डेय, प्रवेश शुक्ला, रवि पाण्डेय, कमलेश सिंह चौहान, संजय पाण्डेय चुरहट, अरविंद सिंह परिहार, अभिलाष तिवारी, संजय सिंह मझौली, अमित श्रीवास्तव, राजकुमार जायसवाल सहित जिले भर के पत्रकारों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति एवं परिजनों को शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

पार्षद पर लगे लापरवाही के आरोप, लोग पार्षद से कई बार बोले, लेकिन वे टालमटोल करते हैं

पाली नगर पालिका के वार्ड क्र. 10 में गंदगी का अंबार

विजय मत, उमरिया

जिले के पाली नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 10, बगिया के पास के रहवासी इन दिनों गंदगी और प्रशासनिक लापरवाही से बेहद परेशान हैं। क्षेत्र के निवासी हसब खान ने फेसबुक पर एक पोस्ट कर वार्ड की बदहाली की तस्वीर सामने रखी है। उन्होंने बताया कि जिस जगह से लोग पीने का पानी भरते हैं, उसी स्थान पर नगर पालिका परिषद पाली की कचरा गाड़ी कचरा पलट कर चली जाती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कचरे की गाड़ी न केवल समय-असमय आती है, बल्कि कई बार साफ-साफदेखा गया है कि कचरा संग्रहण के बजाय वही कचरा वार्ड में ही फेंक दिया जाता है। इससे वातावरण दूषित हो रहा है और

लोग संक्रमण के खतरे में हैं। हसब खान ने बताया कि वार्ड के लोगों ने इस समस्या को लेकर कई बार पार्षद भरत प्रजापति से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने बार-बार शिकायत करने के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। हम लोग पार्षद से कई बार बोले, लेकिन वे टालमटोल करते हैं। या तो सुनते नहीं या कह देते हैं कि देखेंगे, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया, हसब ने नाराजगी जताते हुए कहा। वार्डवासियों का कहना है कि पहले जहां बच्चे खेलते थे, वहां अब कचरे के ढेर लगे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जिस स्थान पर लोग पानी भरते हैं, वहीं मवेशियों की गंदगी और घरों का कचरा डाला जा रहा है। यह स्थिति न केवल बदबू फैला रही है, बल्कि संक्रामक बीमारियों को भी न्योता दे रही है। लोगों का आरोप है कि नगर पालिका का अमला इस ओर जानबूझकर आंखें मूंदे हुए है। ÷कई बार शिकायत करने के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं होती, तो यह साफ है कि स्थानीय प्रतिनिधि और अधिकारी मिलकर लापरवाही कर रहे हैं, एक अन्य वार्डवासी ने कहा। इस पूरे मामले में स्थानीय पार्षद भरत प्रजापति की चुप्पी पर सवाल खड़े हो रहे हैं। लोगों की मांग है कि या तो पार्षद अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें, या पद छोड़ दें। फिलहाल वार्डवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो वे नगर पालिका कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे।

कलेक्टर ने सुनी आम जनों की समस्यायें

विजय मत, उमरिया

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम मे जिले के दूर दराज से आए लोगो की समस्याओं को सुना तथा आवेदनों के निराकरण के लिए संबंधित विभाग की ओर प्रेषित किया।जनसुनवाई में कन्हैया कचेर उमरिया ने हनुमान घाट के पास शासकीय भूमि को आंगनबाड़ी में दिए जाने , फूलबाई ग्राम भरौली ने बैट्री चलित वाहन दिलाने, मनोज मिश्रा ग्राम दमोय ने एडीओ व्दारा आपसी रंजिशन रखते हुए राशन पर्ची बंद करने, हरभूषण कोल ग्राम पठारी ने कब्जे व भू स्वामित्व की भूमि पर अवैध कब्जा होने, जाति गत गाली गालौज करने, मारपीट करने, ओम प्रकाश कोल भरौली ने पट्टा कब्जा दखल की आराजी पर बलपूर्वक मारने पीटने के दम पर कब्जा करने, अंजू बाई ग्राम भुंडी ने रसोइया का काम दिलाने, चंद्रोदय सिंह निवासी ग्राम मझगवां ने सीमांकन पर आपत्ति दर्ज किए जाने, सरिता बर्मन ग्राम घंघरी ने पुत्री का आधार कार्ड रिजेक्ट होने, घनश्याम सतनामी उमरिया ने वृध्दाश्रम में की गई चौकीदारी का पैसा दिलाने संबंधी आवेदन किया।

जनसुनवाई में संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ कमलेश नीरज, डिप्टी कलेक्टर मीनाक्षी इंगले, डिप्टी कलेक्टर हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

पाली ब्लॉक में अघोषित बिजली कटौती से जनता में आक्रोश

विजय मत, उमरिया

पाली ब्लॉक क्षेत्र में लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती को लेकर आमजन में गहरा आक्रोश देखने को मिल रहा है। बिजली की अनियमित आपूर्ति ने जहां घरेलू जीवन को प्रभावित किया है, वहीं किसानों की फसलों पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर कांग्रेस नेता रवि मिश्रा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) बिरसिंहपुर पाली को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि पाली ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में बिना किसी सूचना के रोजाना कई घंटों तक बिजली गुल रहती है। इस अघोषित बिजली कटौती के कारण लोगों को पेयजल, शिक्षा, व्यापार और कृषि जैसे जरूरी कार्यों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को सिंचाई के लिए निर्भर रहना पड़ता है, लेकिन बिजली न होने से उनकी मेहनत पर पानी फिरता नजर आ रहा है। ज्ञापन में यह भी चेतावनी दी गई कि यदि आने वाले

जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा गया ज्ञापन

दिनों में बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया, तो क्षेत्र की जनता वृहद स्तर पर आंदोलन करने को मजबूर होगी।

जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति को नियमित करने की मांग की है। इस दौरान एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपने पहुंचे प्रतिनिधिमंडल में कई प्रमुख स्थानीय नेता और जनप्रतिनिधि शामिल रहे। पूर्व पार्षद कृष्णकांत अवधिया, बलराम प्रजापति, मंडलम अध्यक्ष रामबिहारी उपाध्याय, कांग्रेस नेता रवि मिश्रा, रमेश सिंह सेंगर, पूर्व एनएसयूआई अध्यक्ष सनु प्रकाश उपाध्याय, दिलीप महोबिया, दिलीप त्रिपाठी, बंटी वर्मा, रजनीश तिवारी, जावेद खान, रवि प्रजापति, सुनील गुप्ता और विजय गुप्ता सहित अन्य कार्यकर्ता भी इस अवसर पर मौजूद रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि भीषण गर्मी के बीच बिजली संकट से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित हो रही है और छोटे व्यापारी वर्ग का कारोबार भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीण अंचल में तो हालात और भी ज्यादा खराब हैं, जहां बिजली कभी-कभी 5 से 6 घंटे तक पूरी तरह गायब रहती है। कांग्रेस नेता रवि मिश्रा ने कहा कि यदि जल्द बिजली आपूर्ति सुचारू नहीं की गई, तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरने को विवश होंगे। उन्होंने प्रशासन से तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

स्वच्छ सर्वेक्षण-कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक संपन्न

विजय मत, उमरिया

स्वच्छ सर्वेक्षण-2025 के संबंध में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में बैठक संपन्न हुई । बैठक में कलेक्टर ने कहा कि स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 में जिले के समस्त ग्राम अव्वल आने का प्रयास करें, सभी पैरामीटर पर खरे उत्तरने के लिए आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें एवं सभी संस्थागत स्तर पर स्वच्छता स्थिति को बेहतर बनाये रखने के लिये एवं ग्रामीणों में जनजागरूकता हेतु अपने अधीनस्थ अमले के माध्यम से स्वच्छता गतिविधियों के संबंध में प्रचार-प्रसार करें । सूखे गीले कचरे की पहचान एवं

उचित प्रबंधन के साथ-साथ घरेलू एवं संस्थागत स्तर पर शौचालय का उपयोग उसकी साफसफाई एवं संचालन संधारन को बनाये रखने हेतु सभी विभागों को अहम भूमिका निभाने के निर्देश दिये गये।जिला स्वच्छता समन्वयक मनीषा कांड्रा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण फेज 2 के अंतर्गत निर्धारित मापदण्डों के आधार पर सभी राज्यों , केन्द्र शासित प्रदेशों एवं जिले की राष्ट्रीय रैंकिग भारत सरकार द्वारा कराई जा रही है। जिसका उदेश्य है स्वच्छता की स्थिति को लेकर स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करना जिसके अंतर्गत जिले की 236 ग्राम पंचायतों एवं 578 ग्रामों में से जिले में केंद्रीय दल द्वारा न्यूनतम 20 गांव में रैंडम सर्वेक्षण किया जाएगा। चयनित गाँव के 14 परिवार जिनमें तीन अनुसूचित जाति और तीन अनुसूचित जनजाति के परिवार होंगे। उनके साथ आठ अन्य परिवारों के साथ प्रत्यक्ष अवलोकन दल द्वारा किया जाएगा। सर्वेक्षण ग्रामीण की रैंकिंग 1000 अंकों की होगी, जिनमें विभिन्न घटकों के लिए पृथक-पृथक अंक निर्धारित है, इसमें सिटिजन फीडबैक के लिए 100 अंक सर्विस लेवल प्रगति के 240 अंक प्रत्यक्ष अवलोकन के 540 अंक तथा संयंत्रों के निरीक्षण के 120 अंक निर्धारित है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, एसडीएम बांधवगढ़ कमलेश नीरज, एसडीएम मानपुर टी आर नाग, एसडीएम पाली अंबिकेश प्रताप सिंह,डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले ,डिप्टी कलेक्टर हरनीत कौर कलसी सहित जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे ।

जिले के 84 हितग्राहियों के खाते में 1 करोड़ 86 लाख रूपये अंतरित

उमरिया । प्रदेश के मुख्यमंत्री डा मोहन यादव ने ग्राम बेलखेड़ा बरगी जिला जबलपुर से प्रदेश के 6821 श्रमिक परिवारो के खाते में 150 करोड़ रूपये की अनुग्रह सहायता राशि का अंतरण सिंगल क्लिक से किया। जिले के 84 हितग्राहियों के खाते में 1 करोड़ 86 लाख रूपये अंतरित हुई। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्टर सभागार में देखा एवं सुना गया। इस अवसर पर सहायक श्रमपदाधिकारी आर के गुप्ता, लेबर इंस्पेक्टर यू एस त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

अवैध मदिरा जप्त

उमरिया। पाली थाना अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14 दफाई में पुलिस ने आरोपी पर कार्यवाही करते हुए उसके पास से अवैध मदिरा जप्त की है। जानकारी अनुसार ज्योति कोल पति सुनील उम्र 26 साल निवासी वार्ड क्रमांक 14 दफाई पर कार्यवाही करते हुए उसके पास से 6 लीटर अवैध रूप से बनी हाथ भटटी की बनी महुआ शराब बिक्री हेतु रखी पाए जाने पर जप्त की है जिसकी कीमत 600 रूपये है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

युवक ने लगाई फांसी

उमरिया। मानपुर थाना अंतर्गत मानपुर निवासी युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर लीं । जानकारी अनुसार मृतक का नाम अनिल चौधरी पिता बहोरी चौधरी उम्र 23 साल निवासी वार्ड क्रमांक 10 है। पुलिस ने मामला कायम कर लिया है। मामले की विवेचना की जा रही है।

बोरवेल लगाने के नाम पर हड़पे 50 हजार रूपये

विजय मत, उमरिया

ग्राम महरोई थाना उमरिया तहसील बॉधवगढ़ टीकाराम राठौर पिता स्व0 हीरा लाल राठौर उम्र 46 वर्ष ने जनसुनवाई में शिकायत करते हुए बताया कि प्रार्थी के मकान में पानी की किल्लत/दिक्कत होने के कारण मुझ प्रार्थी के द्वारा राजू सिंह मरावी जो पूर्व पदस्थ पी0एच0ई0 विभाग उमरिया में पदस्थ थे से सम्पर्क कर बोर करवाने के लिये निवेदन किया गया जिस पर राजू सिंह मरावी द्वारा मुझ प्रार्थी से कहा गया कि तुमको बोर करवाना है तो तुमको 50 हजार रूपये लगेगा । प्रार्थी द्वारा बजाज फाईनेंस कम्पनी से 50 हजार रूपये का लोन लेकर राजू सिंह मरावी को तीन किश्तों में पहले 20 हजार, दोबारा 20 हजार तथा तीसरे बारी में 10 हजार रूपये अपने जीजा जागेन्द्र सिंह के 25 अप्रैल 2025 को समक्ष दिया था। उस दिनांक से राजू सिंह मरावी के द्वारा न तो प्रार्थी के घर आया और ना ही बोर करवाया। जब मुझ प्रार्थी के द्वारा राजू सिंह मरावी को फोन लगाया गया तो राजू सिंह मरावी के द्वारा फोन उठाना बंद कर दिया और ना ही फोन उठा रहा है और जब फोन लगाओ तो अपना फोन बंद कर देता है प्रार्थी को आशंका है कि राजू सिंह मरावी के द्वारा मुझ प्रार्थी का 50 हजार रूपये हड़प लिया गया है। प्रार्थी ने उक्त राशि बाजाज फाईनेंस कम्पनी से लोन लेकर दिया है जिसकी किश्त प्रार्थी के द्वारा लगातार दी जा रही है राजू सिंह द्वारा मेरी राशि गवन कर ली गई है । प्रार्थी को पी0एच0ई0 विभाग उमरिया के कर्मचारियों के द्वारा बताया गया कि राजू सिंह मरावी के द्वारा अपना ट्रान्सफर कही अन्य जगह करवा लिया है और वहाँ चला गया है। उन्होने बताया कि प्रार्थी बहुत गरीब है । मेरे पास आय का कोई साधन नहीं है किसी तरह मेहनत मजदूरी कर अपना व अपने परिवार का पालन पोषण करता हूँ तथा मै प्रार्थी बहुत ज्यादा परेशान हूँ राजू सिंह मरावी के द्वारा मेरा 50 हजार रूपये हड़प लिया गया है। उन्होने मांग की है कि राजू सिंह मरावी के विरूद्ध कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाए व प्रार्थी का 50 हजार रूपये वापस दिलाया जाये ताकि मै फाईनेस कम्पनी की किश्त जमा कर सकू । जिस पर कलेक्टर ने आवेदन को पीएचई विभाग की ओर प्रेषित करते हुए जांच करने के निर्देश दिए।

बैठक

सिहावल विधानसभा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान की बैठक संपन्न

संगठन सृजन अभियान से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत बनाया जायेगा -रिपुन बोरा

समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ताओं को संगठन में प्राथमिकता- कमलेश्वर पटेल

जिले का संगठन बूथ स्तर तक है मजबूत-ज्ञान सिंह

विजय मत, सीधी

संगठन सृजन अभियान के तहत् सिहावल विधानसभा अंतर्गत ब्लॉक सिहावल और बहरी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के ऑब्जर्वर पूर्व मंत्री असम शासन रिपुन बोरा के मुख्य आतिथ्य सीडब्लूसी सदस्य पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के विशिष्ट आतिथ्य जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।जिसमें राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी जी की इच्छा अनुसार नए सिरे से संगठन के गठन पर चर्चा की गई।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पर्यवेक्षक रिपुन बोरा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाया जाएगा। कांग्रेस की रीति नीति और सिद्धांतों के प्रति समर्पित कार्यकर्ताओं को ही संगठन में महत्वपूर्ण जवाबदारी सौंपी जाएगी। संगठन कार्यकर्ताओं की राय अनुरूप चलेगा।संगठन या पार्टी कोई नेता पदाधिकारी

या कार्यकर्ता कांग्रेस की रीति नीति के अनुरूप नहीं पाए गए तो उन्हें दरकिनार करने में पार्टी कोई समय जाया नहीं करेगी।

सीडब्ल्यूसी सदस्य पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल ने कहा कि ऊर्जावान और समर्पित कार्यकर्ताओं को संगठन में जगह मिलेगी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की सोच को साकार करते हुए नए सिरे से गठन किया जाएगा जिला अध्यक्षों के साथ सभी पदाधिकारियों के कार्यों का मूल्यांकन भी किया जाएगा। कार्यकर्ताओं की राय के अनुसार संगठन चलेगा।जमीनी मुद्दों पर जनता की राय ली जाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने कहा कि जिले में 100 दिनों तक निरंतर संगठन सृजन अभियान जारी रहेगा बूथ स्तर से लेकर जिला स्तर तक के संगठन में कसावट का दौर जारी है पार्टी के प्रति समर्पित और पार्टी की विचारधारा रीति नीति से प्रभावित कार्यकर्ताओं को संगठन में महत्व दिया जाएगा।

इनकी रही विशेष उपस्थिति

बैठक में प्रमुख रूप से जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमान सिंह, जनपद अध्यक्ष कुसमी श्रीमती श्यामवती सिंह, जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश पाण्डेय दिनेश पाठक नरेंद्र सिंह भंवर महेन्द्र पाण्डेय बहरी ब्लॉक अध्यक्ष शारदा सिंह,ब्लॉक अध्यक्ष परमजीत पाण्डेय, ब्लॉक अध्यक्ष सीधी विवेक सिंह दीपू, आदिवासी प्रकोष्ठ अध्यक्ष तिलकराज सिंह, तेज़बहादुर सिंह , धर्मराज सिंह, गंगा शुक्ला, अरविंद द्विवेदी सहित कांग्रेस के वरिष्ठ नेतागण जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, महिला कांग्रेस,युवा कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवा दल के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी सहयोगी संगठनों के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी विधानसभा के ब्लॉक मंडलम सेक्टर के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी एवं बीएलए साथी उपस्थित रहे।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

आतंकवाद पर नियंत्रण एक जटिल कवायद

पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की श्रृंखलाबद्ध प्रतिक्रिया हुई और पाकिस्तान में आंतकी अड्डों को निशाना बनाया गया. अब, संघर्षविराम लागू हो चुका है, इसलिए यह इस बात पर विचार करने के लिए उचित समय है कि समाज में व्याप्त इस कैंसर जैसी प्रवृत्ति का मुकाबला कैसे किया जाए. 9/11/2011 को टिव्न टावर्स पर हुए आतंकी हमले में 2000 से अधिक लोगों की मौत के बाद से यह मुद्दा अधिक चर्चा में है. 'इस्लामिक आतंकवाद' शब्द अमरीकी मीडिया ने गढ़ा था और बाद में दुनिया भर में इसका इस्तेमाल इस्लाम को आतंकवाद से जोड़ने के लिए किया जाने लगा। वैसे आतंकी घटनाओं को तो परिभाषित किया गया है, लेकिन आतंकवाद को परिभाषित करना आसान नहीं है और इस प्रवृत्ति से संबंधित क्रियाकलापों से जुड़ी संयुक्त राष्ट्रसंघ की संस्थाएं भी अब तक इसे परिभाषित नहीं कर सकी हैं. जहां तक भारत का सवाल है, यहां ब्रेनवाश किए गए मुस्लिम युवकों द्वारा हत्यायों का विक्षिप्तापूर्ण कार्य लंबे समय से चल रहा है. भारत में 26/11/2008 को मुंबई पर हमला हुआ जिसमें करीब 200 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी. इसका सबसे दिलचस्प पहलू यह था कि महाराष्ट्र एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे भी इस हमले में मारे गए थे। इसके समानांतर हमने पहले नांदेड़ (2006) और उसके बाद चार आतंकी हमले देखे - मालेगांव, अजमेर, मक्का मस्जिद और समझौता एक्सप्रेस. मालेगांव के मामले में एनआईए ने पूर्व भाजपा सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर को मौत की सजा दिए जाने की मांग की है, जिनकी मोटरसाईकिल का इस हमले के लिए इस्तेमाल किया गया था. इसके अलावा ले. कर्नल पुरोहित पर भी मुकदमा चल रहा है और इसमें स्वामी असीमानंद, मेजर (सेवानिवृत्त) उपाध्याय और हिन्दुत्व राजनीति से जुड़े कई अन्य लोगों का नाम भी सामने आया।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

नरेन्द्र मोदी के 11 वर्षों में अभूतपूर्व कार्यों से देश निरंतर प्रगति पथ पर अग्रसर

डॉ. राघवेंद्र शर्मा

> एक निश्चित समय बाद बच्चों के अभिभावकों को लगा कि अब तक तो बालक सर्वांगीण विकास को प्राप्त हो चुका होगा। लेकिन जैसे ही उनका गुरुकुल, गुरु और उस बच्चे से साक्षात्कार होता है तो अपेक्षित परिणाम देखने को नहीं मिलते। इस पर गुरु से सवाल किए जाते हैं कि हमने आपके ही आश्रम में इतने ही समय में अन्य बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित होते देखा है।

आजकल प्रिंट मीडिया, सोशल मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सभी प्लेटफार्मों पर मोदी सरकार के 11 सालों के कार्यकाल की समीक्षा हो रही है। सभी विषय विशेषज्ञ अपनी अपनी तरह से उनकी कार्यशैली और देश की वर्तमान स्थिति को विश्लेषित कर रहे हैं। यहां एक बात जो विशेष रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि सब लोग प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 11 सालों के कार्यकाल की बात तो कर रहे हैं, वह देश हित में कितना बेहतर कर पाए अथवा और क्या-क्या कर सकते थे इस बात पर भी चर्चा हो रही है। किंतु इस बात पर किसी का भी ध्यान नहीं गया की श्री मोदी किन परिस्थितियों में देश के प्रधानमंत्री बने और अब किन हालातो में स्वयं को भारत का प्रधान सेवक मानकर उसकी बेहतरीन की सेवा में लगे हुए हैं। इसे समझने के लिए हमें उस कथानक पर गौर करना होगा, जिसके तहत गलत वातावरण में पले बढ़े एक बच्चे को एक योग्य विशेषज्ञ अथवा शिक्षक के पास ले जाया जाता है। शिक्षक से अपेक्षा की जाती है कि वह उक्त बालक को शारीरिक और बौद्धिक रूप से विकसित करे, उसे सही दिशा दिखाए। सिखाने वाला इस चुनौती को स्वीकार भी करता है और अपने कर्तव्य के निर्वहन में जी लगाकर जुट जाता है। फिर हमारे बच्चे को क्या हुआ यह क्यों विकास को प्राप्त नहीं हो पा रहा क्या हमारा बच्चा भौतिक अथवा दैविक प्रतिकूलता का शिकार है या इसमें कोई जन्म जात कमी है क्या हम इसे पौष्टिक आहार नहीं देते देते क्या यह किसी प्रकार के कुपोषण का शिकार है इस पर गुरु का जवाब होता है बच्चा पूर्ण रूप से स्वस्थ है। इसमें कोई कमी नहीं है, ना ही इसका किसी भी प्रकार का दोष है। दोष है तो केवल उस परिवेश का जिसमें अभी तक यह रह रहा था। दरअसल मेरे गुरुकुल में बाकी जितने भी बच्चे आए उनके कच्चे मन में मैंने जो उत्कृष्ट विचार वीजारोपित करना था वह किया और मैं सफल भी रहा। सभी बच्चे सामान्य रूप से विकास को प्राप्त हो रहे हैं। लेकिन आपके बच्चे का दुर्भाग्य यह है कि वह लंबे समय तक गलत परिवेश में दिग्भ्रमित प्रशिक्षण को प्राप्त होता रहा। उसने वहां जो कुछ भी सीखा उसे अच्छी तरह से मन मस्तिष्क में बिठा लिया। अब समस्या यह है कि मुझे पहले इसके मन मस्तिष्क में गहरे तक पैठ चुके उन दूषित विचारों, स्मृतियों को विलोपित करने के लिए अतिरिक्त मेहनत करना पड़ रही है, जो इसे गलत परिवेश और अनुचित प्रशिक्षण से प्राप्त हुए थे। जब यह पुरानी गलत चीजों को अपनी स्मृतियों से हटा देगा तभी यह नई और सही चीजों को पूरी तरह से ग्रहण कर पाएगा। यह ठीक वैसा उपक्रम है जैसे एक साफ सुथरी कॉपी पर मनचाहा लेख लिख देना और एक लिखी हुई कॉपी पर पहले पुराने लिखे हुए को मिटाने का उद्यम करना और फिर वहां पर स्पष्ट रूप से नए अक्षरों अथवा शब्दों को अंकित करना। स्पष्ट शब्दों में कहा जाए तो साफ सुथरी कॉपी पर लिखने में जितना समय लगा, पूर्व से लिखी हुई कॉपी का मिटाकर उस पर नया लिखने में अतिरिक्त समय लगाना पड़ गया। अब जैसे जैसे इस बालक के मन मस्तिष्क से पुराने दिग्भ्रमित और गलत प्रशिक्षण की स्मृतियां विलोपित होती जा रही हैं, वैसे-वैसे यह उत्तम गुणों को ग्रहण करता जा रहा है। जल्दी ही यह अन्य बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा और सर्वांगीण विकास के मामले में स्वयं को उत्कृष्ट साबित करने में सफल साबित होगा। ऐसा ही हुआ, कुछ समय बाद समाज ने देखा कि वह बालक अच्छे संस्कार, उत्तम सीख पाकर उत्कृष्ट प्रदर्शन करता दिखाई दे रहा है। उसने शारीरिक एवं मानसिक परिपक्वता प्राप्त करते हुए विकास की तीव्र गति पकड़ ली है। यही स्थिति हमारे भारत देश की है। इसकी बागडोर लगभग 70 सालों तक अधिकांशतः ऐसी सरकारों के हाथ में बनी रही, जिन्होंने यह सपना देखा ही नहीं कि हम विश्व की तीन प्रमुख आर्थिक शक्तियों में शामिल हो सकते हैं। उक्त सरकारों ने कभी कल्पना की ही नहीं कि भारत देश कभी विश्व की महाशक्ति भी बन सकता है। उन्होंने कभी माना ही नहीं कि हम कभी विश्व गुरु हुआ करते थे। अधिकांश हुक्मरान भारतीय संप्रभुता के मामले में रक्षात्मक युद्ध नीति को ही अपनाते रहे। कभी यह आभास हुआ ही नहीं कि हम अपना अनिष्ट चाहने वाले को उसके घर में घुसकर मार सकते हैं। विभिन्न आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए स्वदेशी आचार विचार पर कभी ध्यान गया ही नहीं। फल स्वरुप हम छोटी-छोटी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए आयात पर ही निर्भर बने रहे। जब 2014 में श्री नरेंद्र मोदी को देश की बागडोर सौंपी गई तब उसकी स्थिति ऐसे वीर हनुमान जैसी थी जो अपनी समस्त शक्तियों को भूलकर सुप्त अवस्था में पड़े हुए थे। आवश्यकता थी तो उन्हें यह याद दिलाने की -

कवन सो काज कठिन जग माहि।
जो नहीं होय तात तुम पाही ।।

सुंदरकांड में जब जामवंत जी हनुमान जी को उनकी शक्तियों का स्मरण कराते हैं, तब वह मानसिक रूप से जागृत अवस्था को प्राप्त होते हैं। लंबे कालखंड तक अपनी शक्तियां विस्मृत हो जाने से जो हनुमान जी सुग्रीव की किंचित सहायता ना कर सके, वह पल भर में समुद्र को लांघ जाते हैं, लंका को जला देते हैं, सीता माता का पता लगा लेते हैं, श्री राम और राजा सुग्रीव को माता सीता की कुशलता का समाचार देकर सारी वानर सी को मृत्युदंड से बचा लेते हैं। बड़े-बड़े राक्षसों का केवल बाईं भुजा से अंत करते चले जाते हैं। यही नहीं, आवश्यकता पड़ने पर संजीवनी लाकर लक्ष्मण जी के प्राणों की रक्षा भी करते हैं। अंततः एक समय ऐसा भी आता है जब श्री हनुमान जी अपना सीना चीर कर यह प्रतिपादित करते हैं कि संपूर्ण ब्रह्मांड के नायक श्री राम, माता सीता और अनुज लक्ष्मण के साथ उनके हृदय में विराजमान हैं। लिखने का आशय यह कि हनुमान जी शुरू से ही बलहीन थे, ऐसा नहीं है। वे जन्म से ही शक्तिशाली थे। बुद्धि विवेक के मामले में भी उनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं था। आवश्यकता थी तो केवल इस बात की कि सही समय पर कोई उन्हें उनकी शक्तियों का एहसास करा दे। हुआ भी ऐसा ही, जैसे जामवंत जी ने हनुमान जी को उनकी शक्तियों का एहसास कराया वे इतिहास रचते चले गए। बस ऐसा ही कुछ श्री नरेंद्र मोदी ने सरकार में आने के बाद किया। पहले उन्होंने पूरी गंभीरता से 70 साल की सरकारी कारगुजारियों पर दृष्टिपात किया। फिर इस दौरान जो गलत और बेकार था उन्हें मिटाया। निसंदेह इस अध्ययन में पर्याप्त समय लगा। लेकिन उसके बाद जो देश हित में प्रतीत हुआ, विकसित भारत की कल्पना लेकर उसे जोड़ते हुए आगे चल पड़े। हमारा देश भी सनातन काल से सोने की चिड़िया, विश्व गुरु और अनेक गरिमामय सम्मानों से अलंकृत था।

लेखक-स्वतंत्र पत्रकार है

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

साइप्रस यात्रा के जरिए तुर्की को कूटनीतिक जवाब

उमेश चतुर्वेदी

दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। दिल्ली में केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी के कदमों को देखिए। हर बार वे चौंकाते रहे हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जब समूचा विपक्ष भारत सरकार की विदेश नीति की नाकामी को लेकर मोदी सरकार पर निशाना लगा रहा था, प्रधानमंत्री ने साइप्रस की यात्रा करके देश को चौंका दिया है। भूमध्य सागर के द्वीपीय देश साइप्रस की यात्रा का अचानक से ऐलान होना और कनाडा जाते हुए रास्ते में प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस उतरना और वहां के शीर्ष नेताओं से मिलना भारतीय विदेश नीति का चौंकाऊं फैसला ही है। देश के शीर्ष नेताओं की विदेश यात्राएं अरसा पहले से तय होती हैं, उसकी जानकारी राजनीति के साथ ही पत्रकारिता को भी होती है। लेकिन प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा अचानक से हुई है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने प्रधानमंत्री की साइप्रस यात्रा का 14 मई को अचानक ऐलान किया। साइप्रस की राजधानी निकोसिया में प्रधानमंत्री मोदी ने वहां के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलाइड्स से बातचीत भी की। ऐसे में सवाल यह उठ सकता है कि साइप्रस की यह अचानक यात्रा क्यों ?

> ऑपरेशन सिंदूर के बाद एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों पर भारत की कार्रवाई इतनी सटीक क्यों रही? पाकिस्तान की खुफिया सेवा इसे भांप क्यों नहीं पाई, पाकिस्तानी राजनेता और सेना क्यों भारतीय कार्रवाई का अंदाजा नहीं लगा पाए। सवाल खत्म होते ही प्रधानमंत्री ठठाकर हंस पड़े। हंसते हुए उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सेना और राजनीति भारत के विपक्षी दलों की ही तरह हैं। जिस तरह वे मेरे बारे में अंदाजा नहीं लगा सकते, कुछ उसी तरह पाकिस्तानी भी अंदाजा नहीं लगा सकते।

इस सवाल के जवाब में एक बार फिर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई घटनाओं की ओर लौटना होगा। याद कीजिए, तब पाकिस्तान ने भारत पर ड्रोन के जरिए सैकड़ों हमले किए थे। उन हमलों को बेशक भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने नाकाम कर दिया। साइप्रस की यात्रा के लिए हमें उन हमलों में इस्तेमाल हुए ड्रोन को देखना होगा। पाकिस्तान ने जिन ड्रोन से हमले किए, ज्यादातर तुर्की में बने सोनगार ड्रोन थे। हवाई हमलों में तुर्की के इन ड्रोन को बेहद मारक माना जाता है। हालांकि वे भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम के सामने बेकार ही साबित हुए। कूटनीतिक हलकों को पता है कि तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने पाकिस्तान को उपलब्ध कराया। अर्दोआन ने पर्दे के पीछे से पाकिस्तान का साथ दिया। इतना ही नहीं, भारत ने जब इस बात को अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा तो अर्दोआन ने ट्वीटर पर 'पाकिस्तान-तुर्की दोस्ती जिंदाबाद' लिखकर एक तरह से भारत के आरोप को साबित कर दिया। इसे भारत को मुंह चिढ़ाना भी कह सकते हैं। यह उस तुर्की का कदम था, जिसे भारत ने दो साल पहले दिल खोलकर मानवीय आधार पर सहयोग दिया था। छह फरवरी 2023 को तुर्की में 7.8 तीव्रता का भूकंप आया था, उस झटके में तुर्की में 53 हजार लोगों की मौत हो गई थी, हजारों लोग घायल हो गए थे। जान-माल के भारी नुकसान के बाद भारत ने मानवीय सहायता के साथ ही विशेषज्ञों की टीम के साथ बचाव दल भेजा था। राहत के तुर्की पहुंचने वाली टीमों में भारत की टीम भी शामिल थी। तुर्की के राष्ट्रपति ने जब ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान से दोस्ती को जगजाहिर किया तो उसे भारत के लोगों ने भारत के लिए मुंह चिढ़ाना माना। रही-सही कसर पूरी हुई मई के आखिर में पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ की तुर्की की यात्रा से। तब भारत के सामने अर्दोआन के रूख को लेकर कोई गुंजाइश ही नहीं रही। तुर्की को लेकर भारतीय समुदाय की सोच अब भी ऐसी ही है। ऐसा नहीं कि पहली बार तुर्की ने भारत के खिलाफ पाकिस्तान का पक्ष लेते हुए ऐसा कदम उठाया है। संयुक्त राष्ट्र संघ समेत कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान के पक्ष में अर्दोआन सहयोगी भूमिका पेश करते रहे हैं। इन वजहों से तुर्की को लेकर भारत में गुस्सा भी बहुत रहा है। कश्मीर के मसले पर तुर्की हर बार पाकिस्तान के साथ ही खड़ा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का साइप्रस दौरा भारत के उसी गुस्से की अभिव्यक्ति और भारत को मुंह चिढ़ाने के अर्दोआन के प्रयासों का जवाब माना जा सकता है। इसकी वजह है कि साइप्रस और तुर्की के बीच जारी बरसों पुराना विवाद। साइप्रस में यूनानी और तुर्की मूल के लोग रहते हैं। तुर्की के दोनों समुदायों में नस्ली आधार पर विवाद रहा है। साइप्रस में साल 1974 में तत्कालीन सरकार के खिलाफ यूनानी मूल के आतंकी समूहों ने तख्तापलट की कोशिश की। इसे तुर्की ने अपने लोगों के खिलाफ युद्ध माना। इसके बाद तुर्की ने साइप्रस पर हमला कर दिया। इस दौरान तुर्की की सेनाओं ने साइप्रस के दूसरे नंबर के मशहूर शहर वरोशा पर कब्जा कर लिया। यह शहर अपने बहुमंजिला भवनों के लिए प्रसिद्ध रहा है। यहां पूरे साल सैलानी आते रहते थे। लेकिन जब से तुर्की के कब्जे में यह शहर है, सैलानियों के लिए तरस रहा है। तुर्की की सेना के 35 हजार जवान यहां तैनात हैं। इसके बाद से एक तरह से यह द्वीपीय देश दो हिस्सों में बंट गया है। तुर्की के कब्जे वाले इलाके को तुर्की ने राष्ट्र का दर्जा दे रखा है। दिलचस्प है कि इस राष्ट्र के अस्तित्व को तुर्की के अलावा कोई देश स्वीकार नहीं करता। साइप्रस यूरोपीय संघ का भी सदस्य है और एक जनवरी 2026 से वह संघ का अध्यक्ष बनने जा रहा है। भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बातचीत चल रही है। भारत को उम्मीद है कि साइप्रस के अध्यक्ष रहते यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता हो जाएगा। साइप्रस ने कई मौकों पर भारत की संयुक्त राष्ट्र संघ सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट की दावेदारी का समर्थन कर चुका है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

प्लेन हादसा जानबूझ कर नहीं होता

संजय गोस्वामी

भारत के अहमदाबाद एयरपोर्ट से प्लेन के टेक ऑफ करने के तुरंत बाद मेघानीनगर इलाके में यह हादसा हुआ है। विमान अहमदाबाद से लंदन जा रहा था, प्लेन में 12 क्रू मेंम्बर्स (दो पायलट समेत) और 230 यात्रियों सहित कुल 242 लोग सवार थे मौत का आकड़ा बढ़ कर 285 तक हो गई यह याद रखना ज़रूरी है कि अगर आप हवाई यात्रा कर रहे हैं तो विमान दुर्घटना की संभावना बेहद कम है। फिर भी, कई सालों बाद भी ऐसी घटनाएँ होती रहती हैं। ब्लैक बॉक्स को वापस लाने के बाद पता चला कि टेकऑफ़ के दौरान, एक निश्चित ऊँचाई पर पहुँचने के बाद विमान के सिस्टम फेल हो गए थे और पायलट ने इस समस्या के बारे में एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल को सूचित किया था। दुर्घटनाओं पर शोध करने वाले जांचकर्ताओं को अभी तक इस घटना को किसी विशिष्ट कारण से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिले हैं। इस रहस्य को वैज्ञानिक रूप से समझाने के लिए, हम समझते हैं कि जब किसी विमान में कोई समस्या आती है, तो पायलट आमतौर पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल से सहायता माँगता है। हालाँकि, यह दुर्घटना इतनी अचानक हुई कि प्रमुख देशों के विशेषज्ञ अब इसे सुलझाने के लिए काम कर रहे हैं। एक ही समाधान के बजाय, जाँच के कई रास्ते अपनाए जा रहे हैं। यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि विमान में उड़ान भरने से दुर्घटनाओं का जोखिम बहुत कम होता है, लेकिन कई सालों बाद भी घटनाएँ हो सकती हैं। सभी वस्तुएँ गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव में चलती हैं, जबकि हवाई जहाज लगभग शून्य गुरुत्वाकर्षण वातावरण में काम करते हैं। एक विमान में टर्बाइन ब्लेड होते हैं जो हवा को काटते हैं और पंख जो दिशा और स्थिरता प्रदान करते हैं। टर्बाइन एक ऐसी मशीन है जो ऊर्जा के एक रूप को दूसरे में परिवर्तित करती है, जैसे गतिज ऊर्जा को यांत्रिक ऊर्जा में या भाप ऊर्जा को विद्युत ऊर्जा में बदलना। टर्बाइन घूर्णी गति के माध्यम से यांत्रिक ऊर्जा उत्पन्न करते हैं। परिवहन दुर्घटना आग पर सबसे शुरुआती अमेरिकी अध्ययनों में से एक ने संकेत दिया कि 1946 में लगभग 15 प्रतिशत अमेरिकी वाणिज्यिक एयरलाइन दुर्घटनाओं में दुर्घटना के बाद आग लग गई थी। इस रिपोर्ट ने उड़ान के दौरान और दुर्घटना के बाद की आग से संबंधित ईंधन गुणों और प्रज्वलन स्रोतों की जांच की।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8401

1	2		3	■	4		5	■
6		■		■		■	7	8
	■	9		10		■	■	
11			■		■	12		
■	■	13		■	14		■	■
15			■	16	■	17		18
	■	■	19		20		■	
21	22	■		■		■	23	
■	24			■	25			

बाएँ से दाएँ

1. रमण योग्य-4
4. साल, वर्ष-3
6. बांया-2
7. राय, वोट-2
9. तकरार, कहासुनी-4
11. अंधकार, अंधेरा-3
12. सरल, आसान-3
13. चील, ईगल-2
14. देवदास की प्रेमिका-2
15. सूली, क्रूस-3
17. कारण-3
19. मन को हरने वाला-4
21. कार्य, काज-2
23. बाण, तीर-2
24. दबाना, कुचलना-3
25. हाथी चलाने वाला-4

ऊपर से नीचे

1. परंपरा, रीति-रिवाज-4
2. संस्कृत में 'मेरा'-2
3. भरोसा, विश्वास-3
4. दीदी, भगिनी-3
5. समान, एक जैसा-2
8. अंधेरा, अंधकार-3
9. बोरिया बिस्तर-4
10. रिहा-2
12. तालाब, जलाशय-4
15. तमीज, शिष्टता-3
16. मछली, एक राशि-2
18. ज्वरताप-4
19. चिंतन, विचार-3
20. रनिवास (उर्दू-3)
22. नशा, अभिमान-2
23. पार्थिव देह, लाश-2

शब्द पहेली -8400 का हल

गी	ला	■	गा	य	क	■	दी	प
ति	■	बा	ल	■	चा	बी	■	व
का	ज	ल	■	भा	■	ना	खू	न
■	ल	■	बा	व	न	■	न	■
स	म	त	ल	■	ख	ट	ख	ट
■	ह	■	क	रा	रा	■	रा	■
प	ल	क	■	वी	■	शा	बा	श
र	■	ला	ल	■	आ	प	■	ह
ख	त	■	ता	जु	ब	■	ती	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

18 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.02 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.20 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.36 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.48 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	13.59 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.13 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.29 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.34 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.21 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	मीन	23.54 बजे से
		मेष	01.24 बजे से
		वृष	03.04 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 169 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि सप्तमी 13.35 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाभाद्रपदा 00.23 बजे रात्र को समाप्त। **योग** प्रीति 07.40 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.35 बजे तदनन्तर बालव 00.49 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 24'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872379
जूलियन दिन 2460844.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 21
विशेष कालाष्टमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54	से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41	से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22	से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12	से	08.44 बजे तक
काल	08.15	से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44	से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19	से	11.47 बजे तक	चर	10.16	से	11.47 बजे तक
रोग	11.47	से	01.16 बजे तक	रोग	11.47	से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16	से	02.44 बजे तक	काल	01.19	से	02.51 बजे तक
चर	02.44	से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51	से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12	से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23	से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- **शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

यूज इन शॉर्ट

लापता युवक को पुलिस ने किया बरामद, परिजनों को सौंपा

अनूपपुर। रामनगर पुलिस ने 1 जून को लापता हुए युवक को बरामद किया है। जिसे कागजी कार्रवाई उपरांत परिजनों को सुपुर्द किया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि थाना रामनगर में एक महिला जो आरटीओ चेक पोस्ट के पास की रहने वाली है, द्वारा अपने पति के अचानक लापता हो जाने की सूचना दी थी। महिला की शिकायत पर थाना में तत्काल गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई और पुलिस टीम द्वारा खोजबीन प्रारंभ की गई। तकनीकी विश्लेषण, स्थानीय सूचना संकलन और लगातार प्रयासों के माध्यम से पुलिस ने युवक को मनेंद्रगढ़ से सकुशल दस्तयाब कर लिया है। दस्तयाब व्यक्ति को थाना लाकर आवश्यक कार्रवाई पूर्ण उपरांत उनकी पत्नी के साथ सुरक्षित भेजा गया है।
फोटो- 09

सत्यनारायण सोनी मप्र स्वर्णकार समाज के प्रदेश महामंत्री हुए मनोनीत

अनूपपुर। स्वर्णकार समाज की महत्वपूर्ण बैठक रीवा मे स्वर्ण

कला बोर्ड (मप्र शासन) के सदस्य कमल सोनी के अध्यक्षता मे संपन्न हुई। मुख्य अतिथि स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान के राष्ट्रीय संयोजक इंजी. योगेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में समाज के उत्थान और एकता संगठन के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में एकेएस यूनिवर्सिटी सतना के डायरेक्टर अमित सोनी (मन्नू भैया) को राष्ट्रीय महासचिव एवं मप्र के संगठन प्रभारी के रूप मे मनोनीत किया गया। वहीं स्वर्णकार समाज मप्र के महामंत्री के पद पर तीन नाम मनोनीत किए गए, जिनमें भाजपा अनूपपुर के ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी (फुक्कू सोनी), आंनद सोनी (टीकमगढ़),मनीष जवाहर लाल सोनी तनोडिया तहसील, जिला आगर मालवा स्वर्णकार समाज मप्र के उपाध्यक्ष के पद पर डॉ. राकेश सोनी हिन्दू(पन्ना) को मनोनीत किया गया। स्वर्णकार समाज मप्र के युवा प्रदेश अध्यक्ष के पद पर नितिन सर्राफ मैहर को मनोनीत किया गया। स्वर्णकार समाज के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सौरभ सोनी हिन्दू की अनुशंसा पर रीवा जिला के जिला अध्यक्ष के रूप मे इंजी. अमन सोनी(अम्मू) की नियुक्ति सर्व सम्मति से की गई है। बैठक मे राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष डॉ.सरोज सोनी,डॉ. शैलजा सोनी, डॉ. विनी सर्राफ, सीमा सोनी, प्रीति सोनी, सरिता सोनी, सौम्या सोनी अमरचंद सराफ, कारीगर मंडल के अध्यक्ष धीरेंद्र सोनी, दीपक सोनी, आशीष सोनी, सीताराम,अनिरुद्ध सोनी, संदीप जडिया सहित अन्य पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही।

धरबी आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर लगाकर लोगो किया जा रहा लाभान्वित

शहडोल। जनजातीय समुदायों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री जनजातीय न्याय महाअभियान एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत 15 जून से 30 जून तक शहडोल जिले के चिन्हित ग्राम पंचायतों में शिविर आयोजित किये जा रहे है। इस अभियान के अन्तर्गत शिविरों में आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, पीएम किसान, जनधन खाता के वितरण के साथ ही सिकलसेल रोग और उसके परीक्षण के विषय में लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जनपद पंचायत बुढार के बिरौंडी एवं धुरवार में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत शिविर लगाया गया तथा शिविर में आए लोगों को पात्रतानुसार लाभ दिलाया गया। साथ ही शिविर में आधार कार्ड, आयुष्मान भारत, कार्ड जाति प्रमाण-पत्र, पीएम किसान, जनधन खातों के विवरण के साथ ही शिविर के माध्यम से सिकिल सेल रोग और उनके परीक्षण के बारे में आम जनता को जागरूक किया गया। जल, हर-घर बिजली, पीएम उज्जवला योजना, मोबाइल मेडिकल यूनिट, आगंनबडी केन्द्र की स्थापना, छात्रावास निर्माण, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना, पोषण वाटिका, मोबाइल नेटवर्क कनेक्टविटी, स्किल इण्डिया मिशन, डिजिटल इनीशिएटिव्स, टिकाउ कृषि पध्दतिया योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, राष्ट्रीय पशुधन मिशन, राष्ट्रीय ग्राम स्वाराज अभियान अंतर्गत केपेसिटि बिल्डिंग ऑन एफआरए एवं ट्रायबल स्टे होम-स्वदेश दर्शन के बारे में भी लोगों को जागरूक किया गया। विभिन्न स्थानों पर आयोजित शिविरों में पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं की जानकारी देने के साथ ही मौके पर पंजीयन, आवेदन तथा स्वीकृति की प्रक्रिया भी पूरी की जा रही है। शिविरों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भागीदारी रही और उन्हें विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ प्रदान किया गया।

कार्यालयीन कामकाज ई आफिस से करने का प्रमाण पत्र 23 जून तक दें-कमिश्नर

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद ने संभागीय समीक्षा बैठक में कहा कि सभी अधिकारी कार्यालयीन कामकाज ई आफिस के माध्यम से करें। अब कमिश्नर कार्यालय में फाइलें केवल ई आफिस सिस्टम से ऑनलाइन भेजें। कोई भी फाइल अब हार्डकॉपी में स्वीकार नहीं की जाएगी। सभी विभाग ई आफिस में ऑनबोर्ड होकर कार्यालय प्रमुख अधीनस्थ कार्यालय तथा विभिन्न शाखाओं से फाइलों का संचालन ई आफिस से ही करें। सभी संभागीय अधिकारी 23 जून को ई आफिस व्यवस्था लागू होने का प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। कमिश्नर ने कहा कि सभी संभागीय अधिकारी क्षेत्र में भ्रमण के दौरान स्कूलए आंगनवा ी केन्द्र और छात्रावासों का निरीक्षण करके उनके सामान्य कामकाज की जानकारी लें। इनमें पेयजल व्यवस्थाए साफसफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण प्रतिवेदन में उल्लेख करें।

किसानों के चेहरे पर छाई खुशियां, खरीब की तैयारी में जुटे किसान

मानूसन की दस्तक-काले बादलों से लगी झमाझम बरसा की झड़ी

विजय मत, अनूपपुर

15 जून से मध्य प्रदेश में मानसून के आगमन की संभावनाओं में 17 जून की सुबह से झमाझम बारिश का दौर शुरू हुआ। जहां आसमान में छाए काले बादलों से दिनभर बरसा की झड़ी लगी रही। जिसमें अनूपपुर जिला मुख्यालय के साथ जैतहरी, राजेन्द्रग्राम, कोतमा, बिजुरी, भालूमाड़ा सहित ग्रामीण क्षेत्र बारिश की पानी में तर-बतर हो गए। यह सिलसिला मंगलवार को सुबह से देर शाम तक जारी रहा। जिसके कारण सुबह 11 बजे से नगरवासियों को सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए। सम्भावना जताई जा रही है कि रात के समय भी बारिश होगी। बारिश के कारण अनूपपुर का दिन का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम 26 डिग्री सेल्सियस, जो अधिकतम में 8 डिग्री तथा न्यूनतम में 6 डिग्री कम रहा है। मौसम में नमी व हल्की ठंडी हवाओं के कारण वातावरण सुहाना बना हुआ है। वहीं लोगों ने आसमान से उगल रही आग से राहत महसूस कर रहे हैं। अधीक्षक भू-अभिलेख विभाग के अनुसार बारिश का होना मानसून का शुरुआत माना जा सकता है। मौसम में बदलाव का कारण मुख्य रूप से मानसूनी हवाओं का चलना और बंगाल की खाड़ी में सक्रिय चक्रवाती तंत्र है। इससे अनुमान है कि अभी आसमान में काले बादल छाएं रहेंगे और बारिश होगी।

आकाशीय बिजली में पति-पत्नी झुलसे, अस्पताल में भर्ती

किसानों के चेहरे पर छाई खुशी, खरीफ की तैयारी में जुटे किसान

एक ओर जहां मंगलवार को पहली बार मानसून की दस्तक में तेज बारिश से खेतों में पानी जम गया। वहीं बारिश की बौछार ने किसानों के चेहरे पर खुशी ला दी। किसानों

आकाशीय बिजली गिरने से पति-पत्नी झुलसे

मंगलवार की शाम लगभग 5 बजे ग्राम चाका में आकाशीय बिजली गिरने की घटना में पति-पत्नी झुलस गए। बताया जाता है कि ग्राम चाका निवासी 45 वर्षीय प्रतापी जायसवाल एवं 50 वर्षीय अनिल जायसवाल आकाशीय बिजली की चपेट में आ गए। तत्काल ही दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोतमा लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार जारी है। चिकित्सकों के अनुसार दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है, लेकिन निगरानी में रखा गया है।

का कहना है कि इस वर्ष तेज गर्मी के कारण खेतों को पर्याप्त धूप मिली है, खर-पतवार सूखे हैं, अब बारिश से खेतों में नमी से धान की खेती बेहतर होने की संभावनाएं दिख रही है। किसान धान की तैयारी में जुट गए हैं, जहां खेतों को तैयार करने के साथ नर्सरी लगाया जाएगा।

इस वर्ष कहां कितने रकबा में खरीफ की बुवाई

इस वर्ष जिले भर में 14 तरह के फसल की बोनी का लक्ष्य कृषि विभाग ने निर्धारित करते हुए लगभग 1 लाख 87 हजार हेक्टेयर में खरीफ फसल की बुवाई का लक्ष्य रखा है।

फसल का नाम	रकबा हजार हेक्टेयर में
धान	96.28
मक्का	17.00
कोदो कुटकी	23.00
उड़द	10.50
मूंग	2.00
अरहर	18.00
तिल	3.50
रामतिल	9.00
मूंगफली	1.50
सोयाबीन	7.00
कुल योग	187.78

कलेक्टर ने 86 आवेदन पर की जनसुनवाई, अधिकारियों से निराकरण दिए निर्देश

विजय मत, अनूपपुर

कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित आयोजित होने वाली साप्ताहिक जनसुनवाई में मंगलवार को कलेक्टर हर्षल पंचोली सहित जिपं सीइओ और अनुविभागीय अधिकारी राजस्व की डेस्क ने जिलेभर से आए आवेदनों पर सुनवाई की। सुबह 11बजे से दोपहर 1 बजे तक संचालित जनसुनवाई में कलेक्टर ने 86 आवेदकों की समस्याओं को सुना और सम्बंधित विभागीय अधिकारियों से समस्याओं के निराकरण के निर्देश दिए। वहीं राजस्व सम्बंधित मामलों के आवेदनों पर कलेक्टर ने अनुभागवार बनाए गए डेस्क पर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के माध्यम से निराकरण कराया। जनसुनवाई में ग्राम लतार थाना

भालूमाड़ा की पुनिया कोल ने बीपीएल कार्ड के तहत सहायता राशि दिलाए जाने, ग्राम खेतगांव पुष्पराजगढ़ के रमेश सिंह मरावी ने समग्र आईडी पोर्टल में नाम अद्यतन कराने, ग्राम क्योंटार जैतहरी के कमलेश कुमार ने ग्राम क्योंटार खर्राघाट से बेलहा मार्ग चांदपुर पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य स्वीकृत कराए जाने, वार्ड नं. 09 अनूपपुर निवासी दिनेश प्रसाद तिवारी ने पट्टे की भूमि का सीमांकन कराए जाने, ग्राम चिल्हारी अनूपपुर के गजराज कोल ने भूमि का नक्शा तरमीम कराए जाने के संबंध में आवेदन दिए हैं।

लाड़ली बहना योजना की राशि से निशा जायसवाल पूरी कर रही छोटी छोटी जरूरतें

शहडोल। संभागीय मुख्यालय शहडोल के वार्ड नंबर 5 की रहने वाली श्रीमती निशा जायसवाल को लाड़ली बहना योजना का लाभ मिल रहा है। इस योजना के तहत राज्य सरकार ने महिलाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करने का कदम उठाया है। श्रीमती निशा जायसवाल को हर महीने 1250 रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है, जिससे वह अपनी दैनिक जरूरतों को पूरा कर पा रही हैं। इस सहायता से उन्हें अब घर चलाने में भी आसानी हो रही है और वह खुद को सशक्त महसूस कर रही हैं। यह योजना महिलाओं के जीवन को सुधारने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। श्रीमती निशा जायसवाल का कहना है कि मुझे लाड़ली बहना योजना के तहत 1250 रूपये प्रदान किया जा रहा है।

गांव में भटक रहे मानसिक अस्वस्थ्य युवक को पुलिस ने परिजनों को सौंपा

विजय मत, अनूपपुर

कोतवाली पुलिस अनूपपुर ने गावों में भटक रहे मानसिक अस्वस्थ युवक के परिजनों का पता कर उसे सुपुर्द किया है। 15 जून को थाना कोतवाली अंतर्गत ग्राम बेला की आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सम्पतिया राठौर के द्वारा थाना कोतवाली अनूपपुर को सूचना दी गई कि ग्राम बेला में एक व्यक्ति रास्ता भटक कर घूम रहा है, जिसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं है। थाना प्रभारी अरविन्द जैन ने तत्काल टीम को गांव में भेजकर व्यक्ति को ग्राम बेला से सकुशल थाना लाकर पतासाजी की और व्यक्ति मनोज सिहं पिता केसरी सिहं उम्र करीब 38 साल निवासी कररुआ जिला सतना का होना और मानसिक रूप से स्पष्ट होने से कई दिनों से भटकता हुआ घूमना की जानकारी मिलने पर उसे उसके परिजनों के पास भेज दिया। इस दौरान पुलिस द्वारा मानवता की मिसाल पेश करते हुए मनोज सिहं के लिए तीन दिन तक भोजन व कपड़ो के साथ रुकने की व्यवस्था किया।

रामनगर में युवक से 690 ग्राम तो राजेन्द्रग्राम में 2 किलो गांजा बरामद, मामला दर्ज

विजय मत, अनूपपुर

जिले में पुलिस ने गांजा के अवैध तस्करी कर स्थानीय बाजारों में खपाने की तैयारी में दो अलग अलग थाना की पुलिस ने कार्रवाई कर लगभग 2 किलो 800 ग्राम गांजा जब्त किया है। वहीं इस मामले में दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि थाना रामनगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 16 जून को कार्रवाई करते हुए लगभग 690 ग्राम गांजा को जब्त किया है। जिसे स्थानीय बाजार में खपाने लिए जा रहा था। पुलिस ने 32 वर्षीय युवक काशीनाथ साहू पिता स्व. लल्लू उर्फ ललुआ साहू निवासी वार्ड क्रमांक 03 बाजार दफाई रामनगर के खिलाफ धारा 8/20 (बी) एनडीपीएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। थाना प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि 16 जून की शाम 6.30 बजे पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि पगडंडी रास्ता खोंगापानी से रामनगर रोड स्टेडियम के पास एक युवक अवैध मादक पदार्थ गांजा लिए जा रहा है। जहां पुलिस ने मौका पर पहुंचकर युवक की तलाशी लेने पर पास से 01 पैकेट में कुल 690 ग्राम गांजा बरामद किया।
वहीं राजेन्द्रग्राम पुलिस ने 16 जून को मुखबिर की सूचना पर 22 वर्षीय युवक लक्ष्मण निवासी जरही के कब्जे से 2 किलो 70 ग्राम गांजा जिसकी अनुमानित कीमत 20 हजार रुपए है के साथ बिना नम्बर बाइक जिसकी कीमत 50 हजार रुपए है को जब्त किया है। वहीं आरोपी को गिरफ्तार कर धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया है। आरोपी को न्यायालय पेश कर जिला जेल अनूपपुर दाखिल किया गया है।

पुलिस के साथ मारपीट और कार्य में बाधा डालने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, पहुंचे जेल

जुआ मामले में आरोपी को पकडने घर पहुंची थी पुलिस, परिजनों के साथ आरोपी ने घटना को दिया अंजाम

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा थाना क्षेत्र में 13 जून को जुआ एक्ट में फरार आरोपी मो. आकिब को पकडने पहुंची के साथ घर में बंद कर मारपीट किए जाने की घटना में पुलिस ने शासकीय कार्य में बाधा डालने वाले तथा पुलिस के साथ हाथापाई करने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जहां न्यायालय पेश उपरांत जेल भेज दिया गया है। थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला ने बताया कि धारा 13 जुआ एक्ट के फरार आरोपी मो. आकिब जो सूचना देने के बाद भी थाने पर उपस्थित नहीं हो रहा था, उक्त आरोपी की सूचना मिलने पर गिरफ्तारी का प्रयास करते समय प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी तथा रामखेलावन यादव आरोपी के घर पहुंचे थे, जहां आरोपी के बचाव में शासकीय कार्य में आरोपी मो. आकिब पिता अब्दुल रसीद उर्फ छेद्दी, अब्दुल रसीद उर्फ छेद्दी पिता अब्दुल समद, अब्दुल मुईद पिता अब्दुल समद, अब्दुल मुजीब पिता अब्दुल समद तथा अब्दुल बांके पिता अब्दुल समद सभी निवासी लहसुई गांव कोतमा द्वारा बाधा डालते हुए उक्त दोनों प्रधान आरक्षको के साथ धक्का-मुक्की करते हुए गालियां देते हुए अपनी घर के अंदर बंद कर दिया था। घटना के संबंध में प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी द्वारा लिखित शिकायत देते हुए रिपोर्ट करने पर सभी पांचों आरोपियों के खिलाफ धारा 127, 121(1), 221, 196, 132, 296, 224, 115(2) ,3(5) बीएनएस कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस द्वारा दबिश देकर प्रकरण के 3 आरोपी मो. आकिब पिता अब्दुल रसीद उर्फ छेद्दी, अब्दुल रसीद उर्फ छेद्दी पिता अब्दुल समद, और अब्दुल मुजीब पिता अब्दुल समद तीनों निवासी लहसुई गांव को गिरफ्तार कर न्यायालय समक्ष प्रस्तुत किया गया। तीनो की जामनत का पुरजोर विरोध कर न्यायालय से जेल वारंट बनवाकर जिला जेल अनूपपुर दाखिल कराया गया है।

19 जून को विश्व सिकल सेल दिवस पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन

0 से 20 वर्ष तक के बच्चों को लगाएं जाएंगे न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन-13

विजय मत, अनूपपुर

कलेक्टर हर्षल पंचोली के मार्गदर्शन में विश्व सिकल सेल दिवस 19 जून को शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर के परिसर में जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में भी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें मुख्य रूप से 0 से 20 वर्ष तक के बच्चों को न्यूमोकोकल कंजुगेट वैक्सीन-13 लगाई जाएगी। चिन्हांकित सिकल सेल पॉजिटीव मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार प्रदाय किया जाएगा। हाइड्रोक्सी यूरिया, जेनेटिक काउसेलिंग कार्ड, फालोअप कार्ड वितरित किए जाएंगे। साथ ही

प्रधानमंत्री जनमन तथा धरती आबा कार्यक्रम के अंतर्गत 15 से 30 जून तक लगाए जाने वाले शिविरों के माध्यम से सिकल सेल बीमारी के लिए परामर्श देकर आमजन को जागरूक किया जाएगा। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज को सिकल सेल जैसी घातक अनुवांशिक रोग के प्रति आमजन को सजग करना और रोकथाम के लिए जागरूकता लाना है। उल्लेखनीय है कि 'राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन 2047' अंतर्गत प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के लिए 'राज्य हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन' अंतर्गत सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन, काउंसलिंग एवं रोकथाम के लिए कार्य किया जा रहा है।

क्या है सिकल सेल रोग

सिकल सेल रोग एक अनुवांशिक रक्त विकार है, जिसमें रक्त की लाल कोशिकाएं अर्द्धचन्द्राकर की हो जाती है और शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित हो जाती है। इससे मरीज को थकान, तेज दर्द, रक्ताल्पता, हड्डियों की समस्याएं और अंग विकृति हो सकती है। यह स्थिति कभी-कभी जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए इस बीमारी को यदि समय रहते पहचाना जाए और सही जानकारी हो तो इसे अगली पीढ़ियों तक फैलने से रोक सकते है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए गए नवीन खेत तालाब के कार्य

शहडोल। जल को बचाएं जीवन को बचाएं, जब तक जल सुरक्षित है तब तक कल सुरक्षित है÷ गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 30 जून 2025 तक जल को सहेजने, संरक्षण एवं संवर्धन हेतु जल संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिले के समस्त जनपद पंचायत के ग्राम पंचायतो में जल गंगा संवर्धन अभियान में लोगों ने उत्साह एवं उमंग के साथ जल का महत्व समझते हुए श्रमदान कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं और जल के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए संदेश दे रहे हैं।
जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शहडोल जिले के जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पंचायत ग्राम साखी,भोगडा में नवीन खेत तालाब के कार्य किए गए।

वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचने हेतु रखे विशेष सावधानियाः सीएमएचओ

विजय मत, शहडोल

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ राजेष मिश्रा ने वर्षा ऋतु में मुख्य रूप से दूषित जल के उपयोग से होने वाली बीमारियों से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि जिले में प्री मानसून वर्षा शुरू हो गई है।शीघ्र ही वर्षाकाल शुरू हो जाएगा। वर्षाकाल में दूषित जल के सेवन से टाइफाइड, पीलिया, डायरिया, पेचिस एवं हैजा जैसी बीमारियां फैलती हैं। अतः भोजन बनाने एवं पेयजल के उपयोग में शुद्ध उबला हुआ जल का उपयोग करें। कुछ भी खाने के पहले व शौच के पश्चात साबुन से अवश्य हाथ धोयें।
पानी और अस्वच्छ आदतों से फैलने वाली बीमारियों में मोटे तौर पर दस्त, कृमि संक्रमण, त्वचा और आंखों के रोग, मच्छरों एवं मक्खियों से फैलने वाले रोग सम्मिलित हैं। बच्चों में दूषित पानी और खाद्य पदार्थों के कारण उल्टी-दस्त का प्रकोप अधिक गंभीर रूप धारण कर सकता है। सड़े-गले फल एवं खाद्य पदार्थो का उपयोग न करें। खुले में शौच न करें एवं शौचालय का उपयोग करें। उन्होंने कहा कि घर के आसपास साफ-सफाई रखें, दस्त लग जाने पर ओ.आर.एस. एवं जिंक सल्फेट गोली का उपयोग चिकित्सक की सलाह अनुसार करें। खाने-पीने की वस्तुओं को ढंककर रखें, मक्खियों से बचाव करें।

न्यूज इन शॉर्ट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धेय बालासाहेब देवरस की पुण्यतिथि पर किया नमन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तृतीय सरसंघचालक श्रद्धेय बालासाहब देवरस की पुण्यतिथि पर उन्हें नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रद्धेय देवरस जी ने समाजिक समरसता की नींव पर राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का पथ प्रदर्शित किया, उनके द्वारा प्रारंभ की गई इस यात्रा पर हम सभी लगातार आगे बढ़ रहे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं से निरंतर संवाद बनाए रखें: सिंघल

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल ने उपभोक्ताओं की सुविधा को देखते हुए फ्यूज ऑफ कॉल (विद्युत अवरोध को दूर करना) समय पर अटेण्ड करने के निर्देश दिए हैं। प्रबंध संचालक ने कहा है कि कंपनी के समस्त मैदानी अधिकारी अथवा कार्मिक अपने मोबाईल फोन को 24 घंटे चालू रखें। उन्होंने कहा कि बिजली उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसलिए बिजली कंपनी के सभी अधिकारी अपना मोबाईल 24 घंटे चालू रखें एवं उपभोक्ताओं के कॉल अटेण्ड करें। साथ ही क्षेत्रीय मुख्य महाप्रबंधक, महाप्रबंधक, संभागीय उपमहाप्रबंधक एवं सभी मैदानी अधिकारी कॉल सेन्टर 1912, व्हाट्सएप चैटबोट तथा स्थानीय वाट्सएप ग्रुप एवं अन्य माध्यम से सप्राप्त होने वाली विद्युत संबंधी शिकायतों का तत्काल समाधान करना सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। प्रबंध संचालक ने सभी मैदानी अधिकारियों से कहा है कि वे सीआरएम पोर्टल पर सतत् निगरानी रखें और जनप्रतिनिधि तथा उपभोक्ताओं से संवाद बनाये रखें। कंपनी ने कहा है कि आँधी, बारिश के दौरान एवं अन्य व्यवधान के कारण हुए बिजली फॉल्ट की शिकायतें दर्ज कराने के लिए कंपनी ने उपभोक्ताओं को अनेक विकल्प प्रदान किये हैं। अब उपभोक्ताओं के पास विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतों को दर्ज करने के लिए कॉल सेन्टर के टोल फ्री नंबर 1912, व्हाट्सएप नंबर 0755-2551222, मोबाइल ऐप 'उपाय (UPAY) अथवा कंपनी की वेबसाइट portal.mpcz.in का विकल्प मौजूद है। उपभोक्ता इन विकल्पों में से किसी भी एक विकल्प का उपयोग कर अपनी विद्युत व्यवधान संबंधी शिकायतें दर्ज कर आसानी से निराकरण करा सकते हैं।

बिजली कंपनी ने करंट से होने वाली दुर्घटनाओं से बचने किया आगाह

भोपाल। मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आम जनता तथा हाथ ठेले पर सामान बेचने वालों को आगाह किया है कि वे अपने हाथ ठेले तथा फुटकर सामान की दुकानें हाईटेंशन लाइनों से दूर लगाएं। कंपनी ने कहा है कि जरा सी असावधानी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसलिए आमजन भी करंट से होने वाली दुर्घटनाओं की रोकथाम में सहयोग करें एवं बिजली लाइनों तथा ट्रांसफार्मर से उचित दूरी बना कर ही अपना सामान बेचने के लिए रखें। कईं जगह चाय की गुमठियां भी विद्युत लाइनों के समीप तथा ट्रांसफार्मरों से सटाकर चलाई जा रही है, जिनके कारण करंट लगने से कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। कंपनी ने उपभोक्ताओं से अपील में कहा है कि विद्युत लाइनों/ट्रांसफार्मरों एवं उपकरणों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा सुरक्षित दूरी बनायें रखें। यदि आँधी तूफान में खंबे/तार टूटे हों तो इसकी सूचना तत्काल शिकायत कॉल सेंटर के टोल फ्री नं. 1912 पर/उपाय ऐप एवं समीप के वितरण केन्द्र कार्यालय में दें। जमीन पर पड़े तारों को छूने या स्पर्श करने की गलती न करें साथ ही पार करने का प्रयास न करें।

जल्दी पूरा करें निर्माण, जनता कर रही इंतजार, 305 करोड़ से बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर का विधायक ने किया निरीक्षण, कहा

भोपाल। भोपाल के संत हिरदाराम नगर में 305 करोड़ रुपए से बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर का हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने निरीक्षण किया। वे मंगलवार सुबह फ्लाईओवर के काम को देखने पहुंच गए। पीडब्ल्यूडी अफसरों से बोले कि काम जल्दी पूरा करें। ताकि, लाखों लोगों को फायदा मिल सके। विधायक शर्मा ने बिजली के पोल की शिफ्टिंग सहित फ्लाइओवर निर्माण संबंधी निर्देश दिए। बता दें कि यह फ्लाईओवर लाऊखेड़ी सीवेज पंप से झूलेलाल विसर्जन घाट तक 3 किलोमीटर लंबा रहेगा। 19 मीटर (60 फीट) चौड़े इस एलिवेटेड डबल डेकर फ्लाई ओवर का निर्माण किया जा रहा है। यह प्रदेश का पहला डबल डेकर फ्लाईओवर ब्रिज बन रहा है। निरीक्षण के दौरान विधायक शर्मा ने लालघाटी ग्रेड सेपरेटर, संत नगर इंदौर रोड पर बन रहे एलिवेटेड फ्लाईओवर, फाटक रोड पर आरओबी निर्माण, औरी स्थित प्रधानमंत्री आवास, गांव बैरागढ़ के प्रस्तावित सब स्टेशन सहित भोपाल बायपास पर बनने वाले 6 लेन

कांग्रेस को तीन दिवसीय जनजागरण अभियान की नौटंकी के बजाए बाबा साहब विरोधी कृत्य के लिए माफी यात्रा निकालकर उपवास रखना चाहिए

भाजपा और प्रधानमंत्री बाबा साहब के मान-सम्मान के साथ उनके विचारों को आगे बढ़ा रहे हैं: विष्णुदत्त

विजय मत, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में कांग्रेस की बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर विरोधी मानसिकता को लेकर मीडिया को प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इतिहास साहै कि कांग्रेस और नेहरू परिवार सदैव भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के विरोधी रहे हैं। यह वहीं परिवारवादी दल है जिन्होंने जीते तो बाबा साहब का अपमान किया ही, मरणोपरांत भी उनके विचारों के साथ अन्याय किया। बाबा साहब को लेकर कांग्रेस 23 जून से तीन दिवसीय जन-जागरण अभियान चलाने के बजाए बाबा साहब विरोधी कृत्य के लिए माफी यात्रा निकालकर उपवास रखना चाहिए। बाबा साहब और संविधान विरोधी कांग्रेस पार्टी मध्यप्रदेश में वर्ग संघर्ष कराने और अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए नौटंकी कर रही है। बाबा साहब अंबेडकर के खिलाफ कांग्रेस द्वारा किये गये अपमान और नेहरू-गांधी परिवार, दिग्विजय सिंह, जीतू पटवारी, उमंग सिंघार और फूल सिंह बरैया सहित अन्य नेताओं को बाबा साहब विरोधी कार्यों के लिए पूरे देश और प्रदेश की जनता से बिना शर्त माफी मांगना चाहिए। भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर से जुड़े स्थानों को पंच तीर्थ के रूप में विकसित करने के साथ उनके विचारों को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं।

कांग्रेस और राहुल गांधी डॉ. अंबेडकर विरोधी विचारधारा पर कार्य कर रहे हैं... *भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि कुछ दिनों पहले राहुल गांधी ने भी बाबा साहब की जन्मस्थली महू पहुंचकर संविधान के नाम पर हासिये पर खडी कांग्रेस को खडा करने के लिए बाबा साहब के नाम का उपयोग किया, लेकिन जनता समझदार है, सब जानती है कि बाबा साहब को सम्मान देने का काम भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने किया है। कांग्रेस और राहुल गांधी डॉ. अंबेडकर विरोधी विचारधारा पर कार्य कर रहे हैं।*

कांग्रेस ने बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि जिस कांग्रेस ने बाबा साहब अंबेडकर को 1952 के लोकसभा चुनाव और 1954 के उपचुनाव में हराने का कार्य किया। जिस कांग्रेस ने बाबा साहब को देश के कानून मंत्री के पद से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया गया, जिस महान सपूत को कांग्रेस पार्टी ने भारत रत्न तक नहीं दिया, जिस कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब का एक भी स्मारक नहीं बनने दिया, वो कांग्रेस पार्टी आज बाबा साहब अंबेडकर के नाम पर प्रदेश की जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस को इस पाखंड को बंद करना चाहिए। जब भी कोई बड़ा नेता जाता है, तो उनकी विरासतों को संजोया जाता है और उनकी स्मृतियां संजाई जाती हैं, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब डॉ.भीमराव अंबेडकर की एक भी स्थान पर स्मारक बनाने की अनुमति नहीं दी। बाबा साहब के जन्मस्थान महू को तीर्थस्थल के रूप में विकसित करने का कार्य मुख्यमंत्री स्वर्गीय सुंदरलाल पटवा के कार्यकाल दौरान हुआ था।

प्रधानमंत्री मोदी ने बढ़ाया बाबा साहब का मान-सम्मान

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने पंचतीर्थों का विकास किया। पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने दिल्ली स्थित अंबेडकर सेंटर के लिए स्थान की स्वीकृति दी थी, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने उसे भी बनने नहीं दिया। जब केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आई, तो अंबेडकर सेंटर बनकर तैयार हुआ। लंदन में जहां बाबा साहब रहे थे, वहां उनकी एक स्मृति बनाई, दिल्ली में उनके निवास स्थान पर स्मृति स्थापित की, नागपुर की दीक्षा भूमि और मुंबई की चैत्य भूमि में भी स्मृतियाँ बनाने सहित बाबा साहब का मान-सम्मान बढ़ाने का काम किया गया। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब को तो भारत रत्न, पद्म भूषण या पद्मनहीं दिया, लेकिन बाबा साहब अंबेडकर को चुनाव में हराने वाले नारायण काजरोलकर को 1970 में पद्म भूषण देकर सम्मानित किया। कांग्रेस पार्टी ने बाबा साहब की स्मृतियाँ बनाने के लिए कोई कदम नहीं उठाए।

मंत्री सारंग ने ली तैयारियों की बैठक

सहकारिता में हुए नवाचारों और उपलब्धियों से अवगत होगी केन्द्र सरकार : विश्वास सारंग

- केन्द्रिय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होगी उच्च स्तरीय बैठक
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी होंगे शामिल

विजय मत, भोपाल

सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने 20 जून को केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री की उपस्थित में होने वाली उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की तैयारियों संबंधी आवश्यक बैठक ली। प्रस्तावित बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अध्यक्षता करेंगे। बैठक में मध्यप्रदेश सरकार द्वारा सहकारिता विभाग में किये गये नवाचारों और उपलब्धियों को बताया जायेगा। बैठक में सहकारिता विभाग से जुड़े मछुआ कल्याण एवं मत्स्य विकास, पशुपालन एवं डेयरी, लघु वनोपज संघ के अधिकारी भी शामिल होंगे।

मंत्री सारंग ने कहा कि बैठक में मध्यप्रदेश में विकास की ओर सहकारिता के कदम में किये गये सीपीपीपी मॉडल और बीज संघ द्वारा जारी चीता ब्रांड आदि की जानकारी दी जाये। मध्यप्रदेश में बहुउद्देशीय व्यवसायिक केन्द्र के रूप में पैक्स का रूपांतरण, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष में किये गये और प्रस्तावित कार्यक्रमों से अवगत करवाया जाये। साथ ही सहकारिता विभाग में किये जा रहे हर आयामों जैसे विशेष कार्यक्रम, प्रशिक्षण, एडवांस स्टोरेज, माइक्रो एटीएम सहित 1 से 6 जुलाई को होने वाले कार्यक्रमों का भी समावेश किया जाये।

मंत्री सारंग ने कहा है कि केन्द्र सरकार द्वारा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए निर्धारित ÷सहकार से समृद्धि'' के विज़न के अंतर्गत दी गई गाइड-लाइन्स के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी दी जाये।

मंत्री सारंग ने प्रदेश के पैक्स की वर्तमान स्थिति, पैक्स अंतर्गत की जा रही गतिविधियाँ, प्रदेश के सहकारी बैंकों की वर्तमान स्थिति एवं सुदृढ़ीकरण पर चर्चा, पैक्स सोसाइटी द्वारा खाद एवं बीज वितरण व्यवस्था, पैक्स कम्प्यूटराइजेशन, प्रत्येक पंचायत में पैक्स, प्राथमिक डेयरी एवं मत्स्य पालन सहकारी समितियों का गठन एवं संचालन, पैक्स के माध्यम से सीएससी सेवाएं, जन-औषधि केन्द्र का संचालन, भारतीय बीज सहकारी समिति, नई राष्ट्रीय सहकारी जैविक समिति, एफपीओ का गठन एवं भविष्य की कार्य-योजना की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश दिए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, प्रबंध संचालक विपणन संघ आलोक कुमार सिंह, आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक मनोज पुष्प, उप सचिव मनोज सिन्हा, प्रबंध संचालक अपेक्स बैंक मनोज गुप्ता सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल से ट्रिवीट्रॉन हेल्थकेयर के प्रतिनिधि मंडल ने की सौजन्य भेंट

- नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की दिशा में नई पहल की संभावनाओं पर हुआ विमर्श

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए सरकार हर संभव नवाचार और तकनीकी सहयोग को प्रोत्साहन दे रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वस्थ भारत के विजन को मूर्त रूप देने के लिये मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में सभी स्तरों पर ठोस प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल मंत्रालय में ट्रिवीट्रॉन हेल्थकेयर के प्रतिनिधि मंडल से शिशुओं की स्वास्थ्य सेवाओं पर चर्चा कर रहे थे।

प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश में नवजात शिशुओं में कंजेनिटल मेटाबॉलिक डिसऑर्डर की पहचान और समय पर उपचार सुनिश्चित करने के लिए न्यू बॉर्न स्क्रीनिंग लैब की स्थापना का प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस प्रयोगशाला की स्थापना से जन्म के कुछ दिनों के भीतर ही शिशुओं में गंभीर आनुवांशिक विकारों की पहचान की जा सकेगी, जिससे समय रहते उपचार संभव हो सकेगा। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए ऐसे नवाचार अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि सरकार वैज्ञानिक दृष्टिकोण और जनहितैषी तकनीकों को प्राथमिकता देती है। इस प्रस्ताव पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा आवश्यक परीक्षण उपरांत सकारात्मक विचार किया

एम्स भोपाल में राजभाषा कार्यान्वयन को सशक्त बनाने हेतु विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 29वीं तिमाही बैठक आयोजित

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के नेतृत्व में विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीओएलआईसी) की 29वीं तिमाही बैठक दिनांक 16 जून 2025 को सफलतापूर्वक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता स्वयं प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने की, जिसमें संस्थान के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्षों एवं समिति के सदस्यों ने सहभागिता की। बैठक के दौरान प्रो. सिंह ने संस्थान में राजभाषा हिंदी के क्रियान्वयन की विभागवार समीक्षा की और विभागाध्यक्षों से हिंदी के उपयोग की वर्तमान स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार को और अधिक बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर कर्नल (डॉ.) अजीत कुमार, उपनिदेशक (प्रशासन) ने कहा, हिंदी में कार्य करना हम सभी के लिए सुविधाजनक और संतोषजनक अनुभव होता है। हमारे अनेक सदस्य हिंदी पर अच्छी पकड़ रखते हैं। मैं सभी से अनुरोध करता हूँ कि यथासंभव अधिकाधिक शासकीय कार्य राजभाषा में करने का प्रयास करें।÷ राजभाषा के प्रचार-प्रसार के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रो. (डॉ.) अजय सिंह ने कहा, ÷यह बैठक तभी सार्थक होगी जब समिति के सभी सदस्य स्वयं हिंदी में कार्य करें और अपने सहयोगियों को भी हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित करें। जैसे हमारा संस्थान चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है, उसी गति से प्रशासनिक कार्यों में भी हिंदी का प्रयोग बढ़ाना हमारा दायित्व है।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिये नकदी रहित उपचार स्कीम

भोपाल। परिवहन सचिव ने सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकदी रहित उपचार योजना के क्रियान्वयन के लिए कलेक्टर्स को निर्देश दिये हैं। निर्देश में कहा गया है कि सड़क दुर्घटना पीड़ितों को नकदी रहित उपचार स्कीम के संबंध में उनके अधीनस्थ अधिकारी को यह जिम्मेदारी दी जाये। इसके साथ ही प्रकरणों की नियमित मॉनीटरिंग की जाये। संभाग के सभी कमिश्नर को इस व्यवस्था की नियमित मॉनीटरिंग किये जाने के लिये भी कहा गया है। सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सर्वोच्च न्यायालय द्वारा समय-समय पर निर्देश दिये जा रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी सम्पूर्ण देश में इसकी नियमित मॉनीटरिंग कर रही है। यह कमेटी विभिन्न राज्यों से रिपोर्ट प्राप्त कर सड़क सुरक्षा संबंधी विभिन्न योजनाओं और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गाइड-लाइंस की समीक्षा कर सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत करती है।

प्रदेश सरकार समाज के प्रति संवेदनशील: देवड़ा

- शराब दुकाने हटाये जाने पर एकतापुरी के रहवासियों ने उप मुख्यमंत्री देवड़ा का जताया आभार

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा के निर्देश पर आबकारी विभाग ने अशोका गार्डन स्थित एकतापुरी कॉलोनी के वार्ड 38 में स्थापित की गई शराब की दुकान को हटाए जाने के बाद एकतापुरी कॉलोनी रहवासी संघ ने मंगलवार को उप मुख्यमंत्री देवड़ा का आभार व्यक्त किया। एकता पुरी कॉलोनी रहवासी संघ के रहवासी क्षेत्र की शराब दुकान को हटाने जाने पर उप मुख्यमंत्री देवड़ा का पुष्प-गुच्छ भेंट कर आभार जताया। उप मुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा कि प्रदेश सरकार सामाजिक संवेदनशीलता और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध है। यह निर्णय न केवल बच्चों और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करेगा बल्कि समाज में नैतिकता, शांति और स्वास्थ्य के वातावरण को भी प्रोत्साहित करेगा।

एकतापुरी कॉलोनी रहवासी संघ के अध्यक्ष सीयाराम सिंह ने बताया कि कॉलोनी के रहवासी विगत दिनों से महिलाओं और रहवासियों ने शराब की दुकान हटाने की मांग की थी। इस संबंध में उप मुख्यमंत्री देवड़ा के निर्देश पर आबकारी विभाग ने तुरंत कार्यवाही करते हुए शराब दुकान को अन्य स्थान पर शिफ्ट कर दिया है। उप मुख्यमंत्री देवड़ा को आभार प्रकट करने रहवासियों में धनेन्द्र धुहारे, श्रीमती संगीता लोधी, नीतू सिंह, प्रेमशीला समेत बड़ी संख्या में रहवासीगण शामिल हुए।

खास-खबर फोन नहीं उठाने पर 15 अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकी गयी

जो अधिकारी जिम्मेदारी का निर्वहन नही कर पा रहे उन्हे रिप्लेस करें : तोमर

विजय मत, भोपाल

बिजली कंपनियों के जिन अधिकारियों द्वारा अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ठीक ढंग से नहीं किया जा रहा है, उन्हें रिप्लेस करें। ऐसे अधिकारियों के स्थान पर उनके जूनियर सक्षम अधिकारियों को पदस्थ करें। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने यह निर्देश मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से बिजली ट्रिपिंग और मेंटीनेंस कार्यों की समीक्षा के दौरान दिये। बैठक में एमडी पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि बिजली उपभोक्ताओं का फोन नहीं उठाने पर 15 अधिकारियों की वेतन वृद्धि रोकी गयी है।

ऊर्जा मंत्री तोमर ने अधिकारियों को सख्त लहजे में कहा कि क्षेत्र का सतत भ्रमण करें। उन्होंने कहा कि टूर प्रोग्राम की जानकारी एडवांस में भेजें। निरीक्षण के दौरान सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों, ट्रिपिंग और मेंटीनेंस की स्थिति प्रमुखता से देखें। जिन शिकायतों का निराकरण 3 से 4 घंटे में हुआ है, उनकी कारण सहित जानकारी दें। इस पर भी विचार करें कि क्या मेंटीनेंस का समय 4 घंटे से कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार और मारपीट की घटनाओं पर तुरंत संज्ञान लें। मंत्री तोमर ने जिलेवार लंबित शिकायतें एवं उनके निराकरण में लगने वाले समय की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करें। अगर कोई बड़ी घटना नहीं हुई है, तो निराकरण में न्यूनतम समय लगना चाहिये। अगर बड़ी घटना हुई है, तो उसका फोटो, वीडियो और की जा रही कार्यवाही को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर अपलोड करें। तोमर ने खासतौर से इंदौर की स्थिति की समीक्षा के दौरान कम्पनी के एमडी को स्पष्ट निर्देश दिये कि जरूरत के अनुसार मेन-पॉवर और इक्यूपमेंट्स की कमी दूर करें। साथ ही यह भी देखें कि मेंटीनेंस के बाद भी ट्रिपिंग क्यों हो रही है। रहवासी संघों और जन-प्रतिनिधियों के साथ लगातार सम्पर्क में रहें। उन्होंने कहा कि मानसून तो अभी शुरू हो रहा है, इसके पहले ही बिजली ट्रिपिंग की इतनी घटनाएँ होना बहुत ही दुखद है। जहाँ जरूरी हो एफओसी की संख्या बढ़ायें। मंत्री तोमर ने कहा कि विद्युत अवरोध के सही कारणों से लोगों को अवगत करायें।

अपर मुख्य सचिव ऊर्जा नीरज मण्डलोई ने कहा कि मेंटीनेंस के लिये तीनों कम्पनियों को 15-15 करोड़ रुपये दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि राशि का सदुपयोग करें और बेहतर ढंग से मेंटीनेंस सुनिश्चित करें, जिससे ट्रिपिंग कम से कम हो। विद्युत वितरण कम्पनियों के एमडी ने विद्युत ट्रिपिंग रोकने और शिकायतों के निराकरण के लिये की जा रही कार्यवाही से अवगत कराया। इस दौरान प्रबंध संचालक पॉवर मैनेजमेंट कंपनी अविनाश लवानिया भी उपस्थित थे।

वैश्विक दक्षता की दिशा में अभिनव पहल: सुभाष इनीशिएटिव के अंतर्गत जर्मन भाषा कोर्स की हुई शुरुआत

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क (एसएसआरजीएसपी) में सुभाष इनीशिएटिव के तहत जर्मन भाषा प्रशिक्षण प्रारंभ कर अभिनव पहल की गई है। यह पहल मेटएक्स स्ट्रक्र्स, जर्मनी के सहयोग से प्रारंभ हुई है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को वैश्विक कार्य संस्कृति से परिचित कराना और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय रोजगार के अवसरों के लिए सक्षम बनाना है। मेटएक्स स्ट्रक्र्स के प्रबंध निदेशक ओंकार काकवडे ने जर्मन भाषा की उपयोगिता, औद्योगिक मांग और प्रशिक्षण के संभावित वैश्विक लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि नई संस्कृतियों और अवसरों का द्वार भी है। इस अवसर पर एसएसआरजीएसपी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गिरीश शर्मा ने छात्रों से संवाद करते हुए जर्मन भाषा की कुछ मूलभूत अवधारणाएं साझा की।

जनसुनवाई में 146 आवेदन प्राप्त हुए

जनसुनवाई में अधिकारियों ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

विजय मत, भोपाल

कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की निर्देशन में मंगलवार को एडीएम भूपेंद्र गोयल, अंकुर मेश्राम, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती इला तिवारी, डिप्टी कलेक्टर अजय शर्मा, श्रीमती निधि चौकसे एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 146 आवेदन प्राप्त हुए।

एडीएम गोयल, गोयल एवं अन्य अधिकारियों ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

ऋषभ से अपने स्वभाविक अंदाज में खेलने को कहें गंभीर: बदानी

नई दिल्ली। पूर्व बल्लेबाज हेमंग बदानी ने कहा है कि भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर को उपकप्तान ऋषभ पंत से बात कर उनका हौंसला बढ़ाना चाहिये क्योंकि हाल में आईपीएल में उनका प्रदर्शन खराब रहा था जिससे वह दबाव में होंगे। इसलिए गंभीर को उन्हें ये बताना चाहिए कि वह अपने खेल पर ध्यान दें और उपकप्तानी को लेकर दबाव में न आयें। आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर ऋषभ पंत अपनी टीम को सफलता नहीं दिला पाये। इसके बाद भी भारतीय बोर्ड ने उनपर भरोसा जताते हुए उपकप्तानी सौंपी है। बदानी ने कहा कि भारतीय टीम शुभमन गिल के नेतृत्व में नए दौर की शुरुआत करने वाली है। ऐसे में ऋषभ पर भी बड़ी जिम्मेदारी होगी पर उन्हें जिम्मेदारी और अपेक्षाओं में दबने की जगह पर अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। बदानी ने कहा, मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं, कि इसमें थोड़ा भी बदलाव नहीं होगा। मुझे लगता है कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने इस क्रिकेट में आक्रामक और रक्षात्मक स्ट्रोक बनाने का सही संतुलन बना लिया है। उन्होंने आगे कहा, ये जरूरी है कि मुख्य कोच गौतम गंभीर उसके साथ बात करे और उससे बोले, ऋषभ अपना खेल खेलें, उपकप्तानी को लेकर दबाव न लेंग। पिछले कुछ सालों से एक निश्चित तरीके से खेला है और वह आपके लिए अच्छा रहा है।इससे टीम को भी लाभ होगा क्योंकि वह अपनी बल्लेबाजी से मैच पलटने में सक्षम हैं।

वैभव को अभी भारतीय टीम में जगह के लिए करना होगा इंतजार: वेंकटपति राजू

नई दिल्ली। आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और दूसरा सबसे तेज शतक लगाकर क्रिकेट जगह में अपनी अलग पहचान बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी है। ये भी कहा जा रहा है कि जो काम सचिन ने 16 से 17 में किया। वहीं वैभव 14-15 साल में कर लेना चाहते हैं। ऐसे में अब क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले। वहीं इसी को लेकर पूर्व स्पिनर और चयनकर्ता वेंकटपति राजू का कहना है कि इस क्रिकेटर को अभी टीम इंडिया में प्रवेश के लिए इंतजार करना होगा। साथ ही कहा कि उनकी सचिन से तुलना नहीं की जा सकती है। वैभव अभी इंडिया अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए हुए हैं। महज 14 की उम्र में उन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान किया है। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक के बाद वैभव ने इंडिया अंडर-19 के अभ्यास मैच में भी 90 गेंद में 190 रन की पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया था। राजू ने कहा कि वैभव को भारतीय टीम की जर्सी में देखने के लिए हमें अभी और इंतजार करने की जरूरत है। इस स्पिनर ने कहा, 'हां, वह अभी काफी समय लेगा। उसे अंडर-19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बीच में घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने होंगे। 4 दिन के मैच में अच्छा करना होगा। हम उसे समय दे सकते हैं। उसमें प्रतिभा है, यह हम पहले ही देख चुके हैं पर सचिन से तुलना को वह ठीक नहीं मानते।

फुटबॉल

पेनसिलवेनिया में फीफा क्लब विश्वकप फुटबॉल में फ्लेमिगों के लुइज अराजुओ अपना दूसरा गोल करते हुए।

रोहित और विराट की कप्तानी में खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला: शुभमन

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का कहना है कि उनके पास रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव है और इससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है जिसका लाभ उन्हें सीरीज में मिलेगा। शुभमन ने कहा कि कैसे रोहित मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों को जो कुछ भी कहते थे कोई नाराज नहीं होता था। वही कोहली के पास हमेशा एक बैकअप विकल्प हुआ करता था। शुभमन

के अनुसार कोहली कप्तान के तौर पर मैदान में हमेशा आक्रामक रहते थे। गेंदबाजों की सहायता के लिए उनके पास हमेशा योजना होती थी।

शुभमन ने कहा, 'जब मैं विराट की कप्तानी में खेलता था तो टेस्ट मैच के दौरान मैदान में उनके आक्रामक रुख और विचारों को सोच को पसंद करता था और उसने सीखता था। वहीं अगर उन्हें लगता था कि यह ठीक है, यह योजना काम नहीं कर रही तो वह तुरंत एक दूसरी योजना रखते थे, गेंदबाजों को बताते थे कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' वहीं रोहित की कप्तानी पर शुभकन ने कहा कि आप को ऐसा लग सकता है कि वह मैदान में आक्रामक नहीं दिखते पर जब रणनीति की बात हो तो वह बहुत ही ज्यादा आक्रामक थे। साथ ही कहा, देखने में यह लग सकता है कि रोहित शांत हैं लेकिन वह अपनी रणनीतियों को लेकर बहुत ही आक्रामक हो सकते हैं।

बटलर बोले-विराट कोहली ने की थी मेरी सहायता

कहा था कभी कभी लगता है मुझे बल्लेबाजी नहीं आती

लंदन, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली की गिनती विश्व के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में होती है और उनका सामना करना किसी भी गेंदबाज के लिए बेहद मुश्किल होता है। इसके बाद भी विराट को जरा भी घमंड नहीं है। यहां तक कि इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जोस बटलर ने खुलासा किया है कि के एक बार कोहली ने उनसे कहा था कि कभी-कभी जब वह बल्ला उठाते हैं तो उन्हें लगता है कि उन्हें खेलना ही नहीं आता। पूर्व क्रिकेटर स्टुअर्ट ब्रॉड से बातचीत में बटलर ने कहा विराट ने एक बार मेरी सहायता की थी। उस दौरान उन्होंने एक बल्लेबाज के तौर पर अपनी असुरक्षाओं को भी साझा किया था

और कहा था कि कभी-कभी बल्ला उठाते हैं तो लगता है कि मुझे खेलना आता ही नहीं है। साल 2023 की बात है। एक साल पहले ही बटलर ने आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलते हुए 863 रन बनाए थे। वह किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने थे। आईपीएल के किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है, जिन्होंने 973 रन बनाए हैं। 890 रन के साथ शुभमन गिल दूसरे नंबर पर हैं। 2022 में रनों का अंबार खड़ा करने के बाद भी बटलर दबाव में थे। उन्होंने बताया, 2022 के सत्र में मैंने 868 रन बनाए पर किसी एक सत्र में सबसे ज्यादा 973 रन का रिकॉर्ड कोहली नाम है। मैं अगले सत्र में बहुत परेशान था कि आखिर अपेक्षाओं पर कैसे खरा उतरूं। तब मैंने विराट से बात की थी। इस दौरान उन्होंने कोहली से पूछा कि आप अपेक्षाओं को कैसे संभालते हैं। विश्व क्रिकेट में आपसे ज्यादा भला किससे अपेक्षाएं होती होंगी। तब कोहली ने कहा, हो सकता है कि आपका केवल यह एक सत्र खराब रहा हो। उसे स्वीकार कीजिए। उसे दोहराने की कोशिश मत कीजिए। यह सब चलता है। जिंदगी अच्छी रहेगी। बटलर ने बताया कि कैसे कोहली ने उनके लिए अपना समय निकालकर उनकी मदद की। बातचीत के दौरान कोहली ने अपने अनुभवों के बारे में भी बताया।

हरभजन बोले- ऑलराउंडर के तौर पर शार्दुल की जगह नीतीश को जगह मिलने की अधिक संभावना

मुम्बई, एजेंसी

पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि 20 जून से मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर नीतीश रेड्डी को जगह मिलने की अधिक उम्मीद है। पहले टेस्ट के लिए गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर नीतीश को शार्दुल ठाकुर से कड़ी टक्कर मिल रही है, शार्दुल ने अभ्यास मैच में शानदार शतक लगाकर अपनी दावेदारी मजबूत की है। दोनों टीमों के बीच पांच मैच की टेस्ट सीरीज का पहला मैच 20 जून से लीड्स में खेला जाना है जिसके लिए अंतिम ग्यारह का चयन प्रबंधन के लिए कठिन हो रहा है।.

हरभजन ने कहा, 'भारत को एक ऐसे गेंदबाज की जरूरत है जो थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सके। भारत के पास नंबर सात तक बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी हैं और नंबर आठ

पर आपको यह देखना होगा कि कौन गेंदबाजी कर सकता है और आपके लिए विकेट ले सकता है तथा थोड़ी बल्लेबाजी भी कर सकता है।' उन्होंने कहा, 'मेरे हिसाब से यहीं पर शार्दुल, नीतीश पर भारी पड़ेंगे। नीतीश एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं जो गेंदबाजी भी कर सकते हैं पर उन्हें ज्यादा गेंदबाजी करते नहीं देखा गया है, वहीं ऑस्ट्रेलिया दौरे में नीतीश ने शानदार प्रदर्शन किया था।'

तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में शामिल

लंदन। तेज गेंदबाज हर्षित राणा को एक बदलाव के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। हर्षित राणा ने इंडिया ए की और से अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम के साथ रुकने के लिए कहा गया था। तभी से संकेत मिलने लगे थे कि हर्षित को टीम में जगह मिलेगी। एक रिपोर्ट के अनुसा हर्षित भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। सीरीज का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा। माना जाता है कि लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है, जिसके कारण भारतीय टीम पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ उतर सकती है,ऐसे में हर्षित को अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल सकती है। ।

बिजनेस

भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है

इस्राइल-ईरान जंग के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार: हरदीप पुरी

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान चल रही जंग के दौरान भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा ?कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है। हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओमसी के साथ भाररत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के

लिए बैठक की। भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए गुयाना मोमेंट बन सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन है। ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है जहां खोज नहीं की गई है। अब सरकार ने बेसिन के बड़े हिस्से में अन्वेषण का फैसला लिया है।

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ किए: रिपोर्ट

मुंबई। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए।तेल और वसा पर खर्च में गिरावटष्टस्रद्धद्य के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67% की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78% की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24: चॉकलेट, जेम, चीनी: 6.60 लाख करोड़ सब्जियां: 5.95 लाख करोड़तेल वसा: 2.45 लाख करोड, 2022-23: चॉकलेट, जेम, चीनी: 5.51 लाख करोड़सब्जियां: 5.28 लाख करोड़तेल वसा: 3.05 लाख करोड़ 2021-22: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.71 लाख करोड़, सब्जियां: 5.06 लाख करोड़तेल वसा: 2.76 लाख करोड़ 2020-21: चॉकलेट, जेम, चीनी: 4.46 लाख करोड़, सब्जियां: 4.79 लाख करोड़, तेल वसा: 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72% बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 फीसदी बढ़ेगी: मारुति सुजुकी

- मारुति 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी

नई दिल्ली, एजेंसी

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि कंपनी को 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के अधिकारी ने कहा कि हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज केंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर 'रेलवे साइडिंग' को हरियाणा में सोनीपत से पलवल तक चलने वाले 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम फर्म हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचओआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया गया है।संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 325 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त एमएसआईएल ने आंतरिक यार्ड विकास पर लगभग 127 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे इसका कुल निवेश 452 करोड़ रुपये हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बेचे एशियन पेंट के 85 लाख शेयर

नई दिल्ली। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एशियन पेंट्स के 85 लाख शेयर ओपन मार्केट में बेच दिए। इस सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही। कुछ दिन पहले रिलायंस ने एशियन पेंट्स में 3.50 करोड़ शेयर बेच दिए थे। अब उसी के बाद यह नई बिक्री की गई है। डील का असर मंगलवार को देखने को मिला। मंगलवार की सुबह शुरुआत मे शेयर 1441.30 पर कारोबार कर रहा था। यह बीते दिन से 0.19 फीसदी की तेजी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ब्लॉक डील डेटा के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी सिद्धांत कमर्शियल्स ने ये 85 लाख शेयर बेचे। ये एशियन पेंट्स में कंपनी की 0.88 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 2,207 के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे कुल डील 1,875.95 करोड़ की बनी।

सेंसेक्स 213 अंक नीचे 81,583 पर बंद, निफ्टी भी 93 अंक लुढ़का

एनएसई के फार्मा और हेल्थकेयर सेक्टर 2 प्रतिशत गिरे

मुंबई, एजेंसी

हफ्ते के दूसरे कारोबार दिन यानी मंगलवार, 17 जून को सेंसेक्स करीब 213 अंक गिरकर 81,583 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 93 अंक की गिरावट रही, ये 24,853 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 8 में तेजी और 22 में गिरावट रही। टाटा मोटर्स, सनफार्मा और इटरनल (जोमैटो) समेत 10 कंपनियों के शेयर 2 प्रतिशत गिरे। एशियन पेंट्स, इंफोसिस और टेक महिंद्रा में 1.7 प्रतिशत तक की तेजी रही।

वहीं, निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में गिरावट,11 में तेजी रही जबकि एक में कोई बदलाव नहीं हुआ। एनएसई के IT सेक्टर को छोड़कर सभी में गिरावट रही। दवाओं पर ट्रंप के नए टैरिफ के ऐलान की खबरों के चलते फार्मा सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.89 प्रतिशत की गिरावट रही। वहीं, हेल्थकेयर में 1.79 प्रतिशत और मेटल में 1.43 प्रतिशत की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 225 अंक (0.59 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 38,537 पर और कोरिया का कोस्पी 4 अंक (0.12 प्रतिशत) चढ़कर

2,950 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स करीब 81 अंक गिरकर 23,980 के स्तर पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 1 अंक नीचे 3,387 पर बंद हुआ। 16 जून को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.75 प्रतिशत चढ़कर 42,515 पर बंद हुआ। वहीं नैस्डेक कंपोजिट 1.52 प्रतिशत ऊपर 19,701 पर और S&P 500 0.94 प्रतिशत चढ़कर 6,033 पर बंद हुआ। 16 जून को विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 2,539.42 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों ने 5,780.96 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में अब तक विदेशी निवेशकों ने कैश सेगमेंट में 7,351.81 करोड़ की बिकवाली की है। जबकि घरेलू निवेशकों ने 49,931.68 करोड़ की नेट खरीदारी है। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में 67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

पंप और मोटर बनाने वाली कंपनी ओसवाल पंप्स का IPO यानी इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग 13 जून से ओपन है। निवेशक इसमें आज यानी 17 जून तक अप्लाई कर सकते हैं। कंपनी के शेयर 20 जून को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे।

ओसवाल पंप्स IPO के जरिए कुल 1,387.34 करोड़ जुटाना चाहती है। इसमें से 890 करोड़ के नए शेयर (फ्रेश इश्यू) जारी किए जाएंगे और 497.34 करोड़ के शेयर ऑफर फॉर सेल के तहत बेचे जाएंगे। सोमवार को शेयर बाजार में बढ़त रही। सेंसेक्स 677 अंक चढ़कर 81,796 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 227 अंक की तेजी रही, ये 24,946 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में तेजी और 3 में गिरावट देखने को मिली। आज एनर्जी, बैंकिंग, IT और FMCG शेयर्स में बढत रही। टेक महिंद्रा, ITC और इंफोसिस के शेयर करीब 2 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए।

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप, ड्राई फ्रूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली। ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फ्रूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है। अगर यही हाल रहा तो आने वाले दिनों में चावल का दाम और कम हो जाएगा, जिससे कारोबारियों को करोड़ों का नुकसान झेलना पड़ेगा।

रुपया गिरावट के साथ हुआ बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

न्यूज इन शॉर्ट

गांधी स्टेडियम हो रहा निःशुल्क योगाभ्यास

शहडोल। योग शिक्षक राजेंद्र शर्मा द्वारा महात्मा गांधी स्टेडियम में सुबह प्रतिदिन निशुल्क योगाभ्यास कराया जा रहा है। महिलाएं एवं पुरुष सुबह 5.45 बजे से 7.00 तक योगाभ्यास कर रहे हैं। इस दौरान विभिन्न प्रकार के आसन प्राणायाम के साथ ही सूर्य नमस्कार के सभी आसनों का अभ्यास कराया जा रहा है। यह सभी लोग आगामी 25 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शहडोल के मुख्य समारोह में शामिल होंगे

बुढ़ार पुलिस ने की कार समेत 62 लीटर अवैध शराब जब्त

शहडोल। रात्रि गश्त के दौरान थाना बुढ़ार पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि मारुति 800 कार में दो व्यक्ति अवैध शराब लेकर ग्राम साखी की ओर जा रहे हैं। सूचना पर बुढ़ार पुलिस द्वारा पकरिया चौराहा में घेराबंदी कर संदिग्ध कार को आता देख रोका गया। बुढ़ार पुलिस द्वारा उक्त वाहन की तलाशी में कार से कुल 62.760 लीटर अवैध देशी, अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 19,500 है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम विपिन पटेल एवं रवि पटेल दोनों निवासी ग्राम साखी थाना जैतपुर हैं। दोनों के विरुद्ध थाना बुढ़ार में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

बाजार से चोरी हुई बाइक बरामद , एक आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। बुढ़ार थानान्तर्गत फरियादी रूपेन्द्र सिंह रावैर, निवासी जैतहरी जिला अनूपपुर द्वारा थाना बुढ़ार में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि वे अपने चचेरे भाई के साथ मोटरसाइकिल ;हीरो शाइन क्रमांक एमपी65 एमसी 5754 से शिवनाथ मोटर गैरेज बुढ़ार आए हुए थे। बाजार क्षेत्र में वाहन खड़ा कर थोड़ी देर बाद लौटने पर देखा कि उनकी मोटरसाइकिल चोरी हो चुकी है। थाना बुढ़ार पुलिस द्वारा रिपोर्ट पर तत्परता से अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। बुढ़ार पुलिस द्वारा संदेही करन चौधरी को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ लेने पर आरोपी द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करते हुए चोरी गई मोटरसाइकिल कीमत 40,000 की बरामदगी कराई गई है। मामले में एक अन्य आरोपी फरार है जिसकी तलाश बुढ़ार पुलिस द्वारा जारी है।

चोरी के अपराध का स्थाई वारंट तामील

सीधी। थाना सीधी में पंजीबद्ध चोरी के पुराने प्रकरण में काफी समय से फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में सीधी पुलिस ने सफलता प्राप्त की है। उक्त आरोपी विजय सिंह पाव पिता पन्नेलाल पाव निवासी ग्राम बुधसर, थाना बुढ़ार हाल मनेन्द्रगढ़ छग के विरुद्ध थाना सीधी में चोरी का प्रकरण पंजीबद्ध था। जिसकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे थे, जिसे थाना सीधी पुलिस द्वारा आरोपी विजय सिंह पाव को गिरफ्तार किया गया।

ई-केवाईसी को गति प्रदान करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल ाकलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में कहा कि शासन द्वारा ई-केवाईसी का कार्य 30 जून 2025 तक पूरा करने के निर्देश दिए गए है। आपने ई-केवाईसी कार्य को प्राथमिकता देते हुए गति प्रदान करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि वर्तमान में जिला खाद्य आपूर्ति विभाग, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी प्रगति की उचित मूल्य दुकानवार, नगरीय क्षेत्रों में वार्डवार तथा ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम पंचायतवार समीक्षा करें।

सब्जी मंडी में शेड के नीचे ठेले, सड़क पर दुकानें

33 साल बाद भी नहीं सुधरी व्यवस्था, गंदगी से अटे पड़े हैं चबूतरे, अव्यवस्था बनी चुनौती

विजय मत, शहडोल

नगर की सब्जी मंडी में व्याप्त अव्यवस्था लगातार बढ़ती जा रही है। 1992 में नगर पालिका ने लाखों रुपए खर्च कर मंडी परिसर में सब्जी दुकानों के लिए शेड और चबूतरों का निर्माण करवाया था, लेकिन आज तक इनका सही उपयोग नहीं हो सका। जिन स्थानों पर सब्जी दुकानों को लगना था, वे आज अघोषित रूप से ठेला स्टैंड बन चुके हैं।

शेड के अंदर ठेले, बाहर मजबूर दुकानदार

सब्जी मंडी में दुकान लगाने वाले दुकानदारों का कहना है कि कुछ अराजक तत्वों की मनमानी के कारण व्यवस्था बुरी तरह बिगड़ गई है। शेड के अंदर ठेले खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे अन्य दुकानदारों को मजबूरन सड़क किनारे दुकान लगानी पड़ती है। इससे न सिर्फ ट्रैफिक बाधित होता है, बल्कि खरीदारों और राहगीरों को भी

भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

नपा की निष्क्रियता बनी समस्या की जड़

एक वर्ष पूर्व नगर पालिका के राजस्व अधिकारी ने मंडी की व्यवस्था सुधारने के लिए अभियान चलाया था, लेकिन वह मात्र दो दिन में ही ठंडा पड़ गया। इसके बाद से किसी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई। अब जिम्मेदारों का कहना है कि दुकानों को शेड के अंदर संचालित कराने के लिए मुनादी करवाई गई है और जल्द ही अभियान चलाकर सुधार किया जाएगा।

किसानों और ग्राहकों दोनों को हो रही परेशानी

सब्जी मंडी में प्रतिदिन 250 से अधिक दुकानें लगती हैं। शेड खाली होने के बावजूद अवैध ठेला स्टैंड की वजह से दुकानें सड़क पर लगाई जा रही हैं। 30 किलोमीटर के दायरे से आने वाले किसानों के लिए यह बड़ी समस्या बन गई है। सड़क पर दुकानें होने से वाहनों की आवाजाही बाधित होती है, जिससे जाम की स्थिति उत्पन्न होती है और समय की भी बर्बादी होती है।

जरूरी है प्रशासनिक सख्ती

मंडी की अव्यवस्था को लेकर नगरवासियों और दुकानदारों में नाराजगी है। अब जरूरत है कि नगर पालिका सख्त कदम उठाकर अवैध ठेले हटाए और दुकानों को निर्धारित चबूतरों पर लगाने की व्यवस्था सुनिश्चित करे।

इनका कहना है

सब्जी व्यापारी संघ से एक-दो दिनों में बैठक करके सब्जी मंडी की व्यवस्था सुधारने हेतु बातचीत की जाएगी। शेड के नीचे जो ठेले रखे जाते हैं उन्हें हटाने के निर्देश भी दे दिए गए हैं।

अक्षत बुंदेला, मुख्य नगरपालिका अधिकारी, शहडोल

प्री मानसून की दस्तक से झमाझम बारिश इस बार अच्छी बारिश का अनुमान

विजय मत, शहडोल

जिले में मंगलवार को प्री-मानसून ने दस्तक दे दी। दोपहर से रुक-रुककर हो रही बारिश से तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग ने इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में अधिक वर्षा होने का अनुमान जताया है।

दरअसल, मध्य प्रदेश में मानसून का प्रवेश हो चुका है। आगामी तीन से चार दिनों के भीतर शहडोल में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो जाएगा। वर्तमान में हो रही बारिश प्री-मानसून की है। कृषि वैज्ञानिक डॉ. मृगेंद्र सिंह के अनुसार बारिश के साथ किसान खरीफ फसलों की तैयारी में जुट गए हैं। किसान अरुण तिवारी ने कहा कि बारिश के बाद अब खेतों में तैयारी शुरू कर देंगे। इस बार अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है, जिससे फसल उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद है।

इससे पहले सोमवार शाम को भी मौसम अचानक बदल गया था, तेज हवाओं के साथ हल्की बूंदाबांदी हुई थी। मंगलवार दोपहर से तेज बारिश शुरू हुई, जो करीब एक घंटे तक जारी रही। इसके बाद शाम तक रुक-रुक कर बारिश होती रही। इससे तापमान में काफी गिरावट आई और लोगों को गर्मी व उमस से राहत मिली।

हालांकि, कुछ विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अत्यधिक वर्षा से भूमि कटाव और जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। जल संसाधन विभाग के प्रमुख इंजीनियर ने कहा कि जहां एक ओर बारिश फसलों के लिए लाभकारी होती है। वहीं, संतुलन बनाए रखना भी आवश्यक है। अत्यधिक वर्षा से फसलों को नुकसान और जलभराव की समस्या हो सकती है।

दिव्य मुस्कान महिला क्लब ने फुटपाथ व्यापारियों को वितरित की छतरियां

विजय मत, शहडोल

सामाजिक क्षेत्र में कमजोर वर्ग की जरुरतों को ध्यान में रख कर दिव्य मुस्कान महिला क्लब ने इस बार फिर से श्रीमती निभा गुप्ता की अध्यक्षता में सदस्य बहनों के साथ शहर भ्रमण करते हुये सड़क किनारे बैठकर रेबड़ी दूकानदारों के दुःख को महसूस किया और उन्हें बड़ी छतरियां भेंट की ताकि धूप और बारिश की मार से बचकर वे अपने परिवार का भरण- पोषण कर सकें, साथ ही स्वयं भी स्वस्थ रहें।

अपनी टीम के साथ कुदरी ग्राम मार्ग पर लोगों से भेंट करते हुये क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निभा गुप्ता एक न्यूज एजेंसी को बताया कि केन्द्र और राज्य सरकारें कमजोर तबके के लिये बहुत काम कर रहीं है फिर भी इस काम में सामाजिक स्तर पर लोगों को भी मानवीय भावना से उन लोगों का हौसला बढाना चाहिये जो स्वाभिमान के साथ परिवार की जिम्मेदारियां सम्हाल रहे हैं।

श्रीमती गुप्ता ने पूर्व में भी इसी क्लब के माध्यम से सभी सदस्यों का सहयोग ले कर जरुरतमंदों को संबल प्रदान किया है।उन्होंने बताया कि हर एक की जरुरत को सिर्फ सरकार पर छोड़ कर चुप बैठना दरसल अपनी ही जबाबदारी से भागना होता है काम खुद बोलता है और अच्छे काम करने से आत्मीय

संतुष्टी मिलती है सिर्फ प्रमाण पत्रों के लिये और कुछ संगठन काम करते होंगे यह क्लब तो जमीन खोज कर बीज लगाता है इस अवसर पर क्लब की संरक्षिका श्रीमती मंजू गुप्ता सचिव अंजना सिंह आर्य एवं सदस्य किरण श्रीवास्तव ,शशि गुप्ता स्वाति गुप्ता उपस्थित रहीं जिनका समय और सहयोग उल्लेखनीय रुप से प्राप्त हुआ।

ग्रामीण अंचलों में विद्युत लो वोल्टेज की समस्या से लोग परेशान

कलेक्टर ने जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की सुनी समस्याएं

शहडोल।कलेक्टर डॉ.केदार सिंह ने कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में ग्राम करूआ निवासी ज्ञानेंद्र सोनी ने आर्थिक सहायता राशि दिलाने,ग्राम कुबरा निवासी विपिन चतुर्वेदी ने ग्राम पंचायत कुबरा वार्ड नं 16 जनपद पंचायत जयसिंहनगर में बिजली पोल, व कनेक्शन, पेयजल उपलब्ध कराने, सरपंच पिपरिया मुन्नी कोल ने ग्राम पंचायत पिपरिया में विद्युत वोल्टेज की समस्या का समाधान कराने हेतु आवेदन कलेक्टर डॉ. केदार सिंह को दिए। जिस पर कलेक्टर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इस प्रकार जनसुनवाई में कुल 65 आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों को कलेक्टर ने संबंधित विभाग के अधिकारियों की ओर प्रेषित कर शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अरविंद शाह, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में अव्यवस्थाओं का बोलबाला, मरीज बेहाल

सीटी स्कैन, डॉक्टरों की अनुपस्थिति और पार्किंग व्यवस्था से लोग परेशान

विजय मत, शहडोल

जिला चिकित्सालय शहडोल में अव्यवस्था का आलम इस कदर हावी हो चुका है कि यहां इलाज कराने आने वाले मरीजों और उनके परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कभी डॉक्टर अपनी जगह पर समय से नहीं मिलते, तो कभी जांच सेवाओं के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ता है। अस्पताल प्रशासन की अनदेखी ने मरीजों की समस्याओं को और बढ़ा दिया है।

सीटी स्कैन की जांच बनी जंग –जिला चिकित्सालय में संचालित सीटी स्कैन केंद्र का संचालन किया जा रहा है। यह सुविधा मरीजों के लिए वरदान साबित होने के बजाय एक संघर्ष का कारण बन गई है। दूरदराज से आए मरीजों को सुबह से लाइन में खड़ा

रहना पड़ता है, लेकिन शाम तक भी जांच नहीं हो पाती। मरीजों का आरोप है कि केंद्र में कार्यरत कर्मचारी अपने चहेते मरीजों को प्राथमिकता देकर अन्य लोगों को घंटों प्रतीक्षा करवाते हैं। यह स्थिति गंभीर है, लेकिन अस्पताल प्रबंधन द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है।

डॉक्टरों की गैरहाजिरी बनी आम बात–मरीजों और परिजनों की शिकायत है कि कई बार डॉक्टर निर्धारित समय पर अपनी सीट पर नहीं मिलते। गंभीर मरीजों को चक्कर लगवाए जाते हैं। ऐसी स्थिति में जहां समय पर इलाज जीवन बचा सकता है, वहां देरी मरीजों के लिए घातक साबित हो रही है।

दोहरी पार्किंग व्यवस्था से बढ़ी परेशानी –अस्पताल परिसर में पार्किंग को लेकर भी भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाया जा रहा है। कर्मचारियों को अस्पताल परिसर में पार्किंग की सुविधा दी गई है, जबकि मरीजों के परिजनों को बाहर पार्किंग करने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

कई बार मरीजों की हालत गंभीर होने पर भी उनके वाहनों को अस्पताल परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती। मुख्य द्वारों को बंद कर दिया जाता है, जिससे मरीजों को अस्पताल तक पहुंचने में कठिनाई होती है।

जिम्मेदारों की अनदेखी –इन सारी समस्याओं के बावजूद अस्पताल प्रबंधन पूरी तरह से मौन है। अव्यवस्था को लेकर कोई भी ठोस पहल नहीं की जा रही है। मरीजों की व्यथा और उनकी कठिनाइयों को समझना और तत्काल समाधान निकालना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन यहां स्थिति इसके ठीक उलट नजर आती है।

समस्या राजीव गांधी बस अड्डे की दुर्दशा, अव्यवस्था, अतिक्रमण और अवहेलना का अड्डा बना प्रतीक्षालय

अतिक्रमण और अव्यवस्था का अड्डा बना राजीव गांधी बस स्टैंड

विजय मत, शहडोल

शहडोल संभागीय मुख्यालय के राजीव गांधी बस अड्डे का प्रतीक्षालय पूरी तरह अव्यवस्थित हो चुका है। यात्रियों के बैठने की जगह दुकानदारों ने हथिया ली है। बरामदों और प्रतीक्षालय के भीतर तक दुकानें सजने लगी हैं, जिससे आवागमन में भारी कठिनाई होती है। कई स्थानों पर तो इतनी भीड़-भाड़ हो जाती है कि यात्री निकल ही नहीं पाते। कभी-कभी उन्हें धूप में खड़े होकर बसों का इंतजार करना पड़ता है।

अवैध दुकानों का बोलबाला –बस अड्डे के भीतर लगभग 30 वैध दुकानें संचालित हैं, लेकिन बाहर 40 से अधिक अवैध दुकानों ने कब्जा जमा रखा है। इनमें अंडा, चाय, फल, पान और चाट की दुकानें प्रमुख हैं, जहां खुलेआम अवैध रूप से सामान बेचा जाता है। पुलिस या नगरपालिका का कोई अमला मौके पर

मौजूद नहीं रहता, जिससे इन दुकानों पर कोई नियंत्रण नहीं है।

बेतरतीब वाहन और गंदगी से हाल बेहाल –प्रतीक्षालय में बेतरतीब खड़े वाहनों से यात्रियों को असुविधा होती है। वहीं पेयजल व्यवस्था भी चरमराई हुई है। नलों से पानी व्यर्थ बहता रहता है और गंदगी के बीच यात्री पानी पीने को मजबूर हैं। सफाई व्यवस्था पूरी तरह लचर है।

आवारा जानवर और होटल संचालकों की लापरवाही–प्रतीक्षालय में आवारा जानवरों का आतंक बना हुआ है। होटलों से निकलने वाली गंदगी खुले में फेंकी जाती है और यात्रियों के बैठने वाले स्थानों पर पानी के डिब्बे रख दिए जाते हैं। इससे बदबू और गंदगी का माहौल बना रहता है।

व्यवस्थाओं पर सवाल, प्रशासन नदारद – बस अड्डे पर पुलिस, नगर पालिका या किसी भी जिम्मेदार अमले की उपस्थिति नहीं होती। दुकानदार, ऑटो चालक, होटल संचालक अपनी मनमानी पर उतरे हुए हैं। यात्रियों की सुविधाएं पूरी तरह समाप्त हो चुकी हैं।

नई उम्मीद 4.50 करोड़ की लागत से नया बस स्टैंड –

नगर प्रशासन ने कोटमा रोड के पास नए बस स्टैंड का निर्माण करने की योजना बनाई है। लगभग 4.50 करोड़ रुपये की लागत से इसे तैयार किया जाएगा। इससे वर्तमान अराजकता से निजात मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पति के विरूद्ध घरेलू हिंसा का आरोप

कमिश्नर कार्यालय में आयोजित हुई जनसुनवाई

विजय मत, शहडोल

कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की उपस्थिति में कमिश्नर कार्यालय शहडोल के अमरकंटक सभाकक्ष में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में शहडोल जिले के जयसिंहनगर निवासीअयोध्या प्रसाद पाण्डेय ने आवेदन देकर बताया कि मै 30 सितम्बर 2024 को विद्युत लाइन मैन के पद से सेवा निवृत्त हो चुका हूं। सेवा निवृत्त के पूर्व मेरे समर्पित अवकाश का नगदीकरण भुगतान नही किया गया, शहडोल जिले ग्राम बंधवाबंडा निवासी अमसिया बैगा ने अपने पति बिकई बैगा जेल प्रहरी जिला जेल उमरिया के विरूद्ध घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत कार्यवाही कराने, अनूपपुर जिले के ग्राम पड़मनिया तहसील पुष्पराजगढ निवासी सरोज बाई ने लाड़ली बहना योजना का लाभ दिलाने हेतु आवेदन कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता को दिए। जिस पर कमिश्नर ने प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु संबंधित विभाग के अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर शीघ्रता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए। जिस पर कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को आवेदन प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में संयुक्त आयुक्त विकास मगन सिंह कनेश, उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती ऊषा सिंह सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा पीजी इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड सर्विस प्रा.लि., प्लॉट नं. 18, इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर म.प्र. से मुद्रित एवं विजय मत भवन, गायत्री मंदिर रोड, वार्ड नं. 13, शहडोल, म.प्र. से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2018/76119, e-mail: vijaymat.sdl@gmail.com